SET-1

केंद्रीय विद्यालय संगठन, जीट ग्वालियर

प्रथम प्री-बोर्ड परीक्षा 2020-21

निर्धारित समय : **3** घंटे कक्षा –**12** विषय : हिंदी (केंद्रिक) अधिकतम अंक :**80**

सामान्य निर्देश :

1 इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न है। प्रश्न पत्र मे दो खंड है - अ तथा ब ।
2 प्रश्न-पत्र के खंड "अ" में प्रश्न संख्या **1** से **6** तक वस्तुपरक प्रश्न है ।
3 खंड "ब" में प्रश्न संख्या **7** से **14** तक वर्णनात्मक प्रश्न है।
4 सभी प्रश्न अनिवार्य है तथा सभी प्रश्नो के निर्धारित अंक उनके सामने अंकित है।
5 प्रश्न का खंड एवम प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखे।

खंड : अ (वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न-1: गद्यांश को पढकर प्रश्नो के उत्तर दीजिए ;- (1 **x** 10)

डॉ० जाकिर हुसैन भारत के असली सपूत थे, इसका सबूत उन्होंने पदारूढ़ होने के एक दिन पहले तब दिया , जब वे दिल्ली में श्रृंगेरी के जगद्गुरु स्वामी शंकराचार्य से भेंट करने गए। जगद्गुरु के सामने पुष्प और फल रखते हुए उन्होंने कहा था-आपका आशीर्वाद चाहिए और शंकराचार्य ने राष्ट्रपति के सिर पर हाथ रख कर उन्हें आशीर्वाद दिया था। ऐसी ही एक और घटना याद आती है -उपराष्ट्रपति निवास के अहाते में एक दिन सवेरे घूम रहे थे तो देखा कि माली के घर में कीर्तन हो रहा है। फिर क्या था, टहलते हुए उधर चले गए और सबके साथ एक कोने में दरी पर बैठ गए। जब कुरसी लाने के लिए कहा गया तो बोले, 'भगवान के घर में सब बराबर होते हैं' और दरी पर बैठे रहे।

पटियाला में पंजाबी विश्वविद्यालय में गुरु गोबिंद सिंह के संस्थान की नींव रखने को आपसे कहा गया तो बोले, "आपने मुझसे इस पवित्र संस्थान की नींव रखने को कहा है। इससे मुझे याद आता है कि अमृतसर में दरबार साहब की नींव डालने के लिए भी एक मुसलमान को ही बुलाया गया था," और यह कहते-कहते उनका गला भर आया, आँखों से आँसू बहने लगे। बड़े-बड़े योद्धा, सिख सरदार, श्रोताओं की भी उस समय आँखें भर आई। अपने साफ़-सुथरे सुरुचिपूर्ण खादी के कपड़ों और सुरुचि से सँवारी सफेद दाढ़ी के बीच चमकते हलके गुलाबी गौर वर्ण मुखमंडल से जाकिर साहब प्रेम और आत्मीयता में गाँधी जी के अंतिम उत्तराधिकारी नजर आते थे। देश के आने वाले बच्चे बापू को भूल न जाएँ, इस संबंध में उन्होंने एक बार कहा था, "आप आज्ञा दें तो इस अवसर से लाभ उठाकर गाँधी जी के संबंध में कुछ आपसे कहूँ। उनको जानने और समझने से उनके काम को समझना और उसमें ! जी-जान से लगना जरा सरल हो सकता है। यह इसलिए और भी करना चाहता हूँ कि अब दिन पर दिन उन लोगों की संख्या घट रही है जिन्होंने गाँधी जी को देखा था, उनके साथ काम किया था, उनके बताए हुए रास्ते पर चले थे। जब वे दुनिया से गए तो ये लोग बच्चे थे., बहुत से पैदा भी नहीं हुए थे। उनकी गिनती अब दिन-पर-दिन बढ़ती? ही जाएगी। नया काल होगा, नए हाल होंगे, नए जंजाल होंगे, ऐसा न हो कि यह नयी नस्ल गाँधी जी और उनके की तह में जो विचार थे उनको भुला बैठे। ऐसा हुआ तो हमारी सबसे मूल्यवान पूँजी बरबाद हो जाएगी।"

(क) - भारत के असली सपूत थे कौन थे **?**

(i) जगद्गुरु स्वामी
(ii) डॉ० जाकिर हुसैन
(iii) शंकराचार्य
(iv) गाँधी जी

(ख) - उन्होने भारत का असली सपूत होने का प्रमाण किस प्रकार दिया **?**

(i) वे दिल्ली गांधी जी से मिलने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने गए
(ii) वे दिल्ली उपराष्ट्रपति से मिलने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने गए
(iii) वे शंकराचार्य से मिलने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने गए
(iv) पंजाबी विश्वविद्यालय में गुरु गोबिंद सिंह के संस्थान की नींव रखने गए

(ग़) - वह दिल्ली में किससे भेंट करने गए **?**

(i) शृंगेरी के शंकराचार्य जी से

(ii) उपराष्ट्रपति जी से
(iii) पुरी के शंकराचार्य जी से
(iv) गाँधी जी से

(घ) - **माली के घर कीर्तन मे वे कहाँ बैठ गए ?**
(i) जमीन पर
(ii) कुर्सी पर
(iii) सबके साथ एक कोने में दरी पर
(iv) **सोफा सेट पर**

(ङ) - जब कुरसी लाने के लिए कहा गया तो क्या बोले ?
(i) भगवान के घर में सब बराबर होते हैं
(ii) कीर्तन में सबको यहीं बैठना चाहिए
(iii) मैं तो सोफा सेट पर ही बैठूँगा
(iv) कोई भी कुर्सी पर नहीं बैठेगा

(च) - वे पंजाबी विश्वविद्यालय में गुरु गोबिंद सिंह के संस्थान की नींव रखने कहाँ गए ?
(i) पंजाब में
(ii) दिल्ली में
(iii) शृंगेरी में
(iv) पटियाला में

(छ) - पंजाबी विश्वविद्यालय में गुरु गोबिंद सिंह के संस्थान की नींव रखने को आपसे कहा गया तो वे क्या बोले ?
(i) आपने मुझे यह मौका देकर बहुत सौभाग्य प्रदान किया है |
(ii) अमृतसर में दरबार साहब की नींव डालने के लिए भी एक मुसलमान को ही बुलाया गया था
(iii) मुझे यहाँ आकर बहुत अच्छा लगा है |
(iv) **आप लोगों ने यह बहुत अच्छा काम किया है |**

(ज) - डॉ० जाकिर हुसैन किसके सिद्धांतों के समर्थक थे-
(i) शंकराचार्य जी के
(ii) उपराष्ट्रपति के
(iii) गांधी जी के
(iv) गुरु गोविंद सिंह के

(झ) - डॉ० हुसैन के अनुसार हमारी मूल्यवान पूँजी कब बरबाद हो जाएगी ?
(i) जब हम जाकिर हुसैन के विचारों को भुला बैठेगे
(ii) जब हम गांधी जी के विचारों को भुला बैठेगे
(iii) जब हम गुरु गोविंद सिंह के विचारों को भुला बैठेगे
(iv) जब हम राष्ट्रपति के विचारों को भुला बैठेगे

(ञ) - आज्ञा का विपरीतार्थक शब्द है –
(i) अनज्ञा
(ii) अनाज्ञा
(iii) अवज्ञा
(iv) न आज्ञा

अथवा

लोकतंत्र के मूलभूत तत्त्व को समझा नहीं गया है और इसलिए लोग समझते हैं कि सब कुछ सरकार कर देगी, हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है | लोगों में अपनी पहल से जिम्मेदारी उठाने और निभाने का स्तर विकसित नहीं हो पाया है, फलस्वरूप देश की विशाल मानव शक्ति अभी खर्राटे लेती पड़ी है और देश की पूंजी उपयोगी बनाने के बदले आज बोझरूप बन बैठी है| लेकिन उसे नींद से झकझोर कर जागृत करना है| किसी भी देश को महान बनाते हैं उसमें रहने वाले लोग | लेकिन अभी हमारे देश के नागरिक अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं | चाहे सड़क पर चलने की बात हो अथवा साफ-सफाई की बात हो, जहां तहां हम लोगों को गंदगी फैलाते और बेतरतीब ढंग से वाहन चलाते देख सकते हैं, फिर चाहते हैं सब कुछ सरकार ठीक कर दे |

सरकार ने बहुत सारे कार्य किए हैं, इसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता है | वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ खोली है, विशाल बांध बनवाए हैं, फौलाद के कारखाने खोले हैं, आदि- आदि बहुत सारे काम सरकार के द्वारा हुए हैं, पर अभी करोडों लोगों को कार्य में प्रेरित नहीं किया जा सका है |

वास्तव में होना तो यह चाहिए कि लोग अपनी सूझबूझ के साथ अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हों और अपने पास जो कुछ साधन सामग्री हो उसे लेकर कुछ करना शुरू कर दें और फिर सरकार उसमें आवश्यक मदद करे | उदाहरण के लिए गांव वाले बड़ी-बड़ी पंचवर्षीय योजनाएं नहीं समझ सकेंगे पर वे लोग यह बात जरूर समझ सकेंगे कि अपने गांव में कहाँ कुआं चाहिए, कहां सिंचाई की जरूरत है, कहां पुल की आवश्यकता है, बाहर के लोग इन सब बातों से अनभिज्ञ होते हैं |

(क) - लोकतंत्र का मूलभूत तत्व है

(i) कर्तव्य पालन
(ii) लोगों का राज्य
(iii) चुनाव
(iv) जनमत

(ख) - किसी देश की महानता निर्भर करती है

(i) वहां की सरकार पर
(ii) वहां के निवासियों पर
(iii) वहां के इतिहास पर
(iv) वहां की पूंजी पर

(ग) - सरकार के कामों के बारे में कौन सा कथन सही नहीं है

(i) वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ बनवाई हैं
(ii) विशाल बांध बनवाए हैं
(iii) वाहन चालकों को सुधारा है
(iv) फौलाद के कारखाने खोले हैं

(घ) - सरकारी व्यवस्था में किस कमी की ओर लेखक ने संकेत किया है

(i) गांव से जुड़ी समस्याओं के निदान में ग्रामीणों की भूमिका को नकारना
(ii) योजनाएं ठीक से न बनाना
(iii) आधुनिक जानकारी का अभाव
(iv) जमीन से जुड़ी समस्याओं की ओर ध्यान न देना

(ङ) - "झकझोर कर जागृत करना" का भाव गद्यांश के अनुसार होगा

(i) नींद से जगाना
(ii) सोने ना देना
(iii) जिम्मेदारी निभाना
(iv) जिम्मेदारियों के प्रति सचेत करना

(च) - लोकतंत्र में लोग समझते है -

(i) सरकार सबकुछ देगी
(ii) हमें सबकुछ करना होगा
(iii) राजनीतिक पार्टी हमें सब देगी
(iv) समाज हमें सबकुछ देगा

(छ) - गाँव वाले क्या नहीं समझ सकेंगे -

(i) कहाँ पुल की आवश्यकता है
(ii) कहाँ कुआँ चाहिए
(iii) पंचवर्षीय योजनाओं को नहीं समझ सकेंगे
(iv) कहाँ सिंचाई की जरूरत है

(ज) - सरकार के कामों के बारे में कौन सा कथन सही है

(i) वैज्ञानिक प्रयोगशाला में बनवाई हैं
(ii) विशाल बांध बनवाए हैं
(iii) फौलाद के कारखाने खुले हैं
(iv) उपरोक्त तीनों

(झ) - देश के नागरिक अपनी कौन सी ज़िम्मेदारी निभाते है ?

(i) साफ-सफाई की
(ii) नियमानुसार सड़क पर चलने की
(iii) नियमानुसार सड़क पर वाहन चलाने की
(iv) इनमे से कोई नहीं

(ञ) **- लोगो को कैसा होना चाहिए**

(i) अपनी सूझ-बूझ से काम करें
(ii) अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हों
(iii) उपलब्ध साधन - सामग्री से काम शुरू कर दें
(iv) उक्त सभी

प्रश्न**-2.** काव्यान्श को ध्यान-पूर्वक पढ़ कर नीचे दिये गए विकल्पों में सही चुन कर उत्तर लिखिए - (1X5)

क्या रोकेंगे प्रलय मेघ ये, क्या विद्युत-घन के नर्तन,
मुझे न साथी रोक सकेंगे, सागर के गर्जन-तर्जन।
मैं अविराम पथिक अलबेला, रुके न मेरे कभी चरण,
शूलों के बदले फूलों का किया न मैंने मित्र चयन।
मैं विपदाओं में मुसकाता, नव आशा के दीप लिए
फिर मुझको क्या रोक सकेंगे, जीवन के उत्थान-पतन,
मैं अटका कब, कब विचलित मैं, सतत डगर मेरी संबल
रोक सकी पगले कब मुझको ,यह युग की प्राचीर निबल
आँधी हो, ओले-वर्षा हों, राह सुपरिचित है मेरी,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये जग के खंडन-मंडन।
मुझे डरा पाए कब अंधड़, ज्वालामुखियों के कंपन,
मुझे पथिक कब रोक सके हैं, अग्निशिखाओं के नर्तन।
मैं बढ़ता अविराम निरंतर, तन-मन में उन्माद लिए,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल-विद्युत नर्तन।

(क) उपर्युक्त काव्यांश में कवि के स्वभाव की किस प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख किया गया है**?**

(i) गतिशीलता , साहस व संघर्षशीलता
(ii) सुंदरता का
(iii) मुस्कराहट की शक्ति का
(iv) उन्माद का

(ख) कविता में आए मेघ**,** विदयुत और ज्वालामुखी किनके प्रतीक हैं**?**

(i) गतिशीलता , साहस व संघर्षशीलता
(ii) जीवनपथ में आई बाधाओं के
(iii) जीवन के उत्थान-पतन के
(iv) बादल-विद्युत नर्तन के

(ग) कवि की राह में कौन बाधक नहीं है **?**

(i) प्रलय मेघ
(ii) विद्युत-घन के नर्तन
(iii) सागर के गर्जन-तर्जन
(iv) उन्माद

(घ) में से कौन से शब्द –युग्म में विलोम शब्द नहीं हैं –

(i) उत्थान- पतन
(ii) खंडन- मंडन
(iii) फूल – शूल
(iv) गर्जन - तर्जन

(ङ) 'युग की प्राचीर' से क्या तात्पर्य है?

(i) जीवनपथ में आई बाधाएं
(ii) आँधी, ओले-वर्षा
(iii) समय की बाधाएँ
(iv) जीवन मार्ग की सुविधाएं

अथवा

रोटी उसकी जिसका अनाज, जिसकी जमीन, जिसका श्रम है,
अब कौन उलट सकता, स्वतन्त्रता सुसिद्ध सीधा क्रम है |
आजादी है अधिकार, परिश्रम का पुनीत फल पाने का,
आजादी है अधिकार, शोषण की धज्जियाँ उड़ाने का
गौरव की नई भाषा सीख, भिखमंगों सी आवाज बदल,
सिमटी बाँहों को खोल गरुड़, उड़ने का अब अंदाज बदल |
स्वाधीन मनुज की इच्छा के आगे पहाड़ हिल सकते है,
रोटी क्या? ये अंबर वाले सारे सिंगार मिल सकते है |

(क) कविता में किस अधिकार की बात कही गई है?

(i) जीने के अधिकारों की बात
(ii) आजादी के अधिकारों की बात
(iii) रोटी पाने की बात
(iv) उक्त में से कोई नहीं

(ख) कैसे मनुष्य की इच्छा के आगे पहाड हिलते है?

(i) आलसी मनुष्य के आगे
(ii) बेकार मनुष्य के आगे
(iii) स्वाधीन मनुष्य के आगे
(iv) कोई नही

(ग) रोटी पर सबसे पहला अधिकार किसका है?

(i) किसान का
(ii) जिसकी जमीन है उसका
(iii) जो परिश्रम करता है उसका
(iv) उक्त सभी का

(घ) सिमटी बाहों को खोल से कवि क्या कहना चाहता है?

(i) अपनी शक्तियों को पहचानना
(ii) अपनी कमियो को जानना
(iii) अपने काम से काम रखना
(iv) उक्त में से कोई नही

(ङ) स्वाधीन शब्द का विलोम शब्द है:-

(i) आधीन
(ii) पराधीन
(iii) अधीन
(iv) कोई नही

प्रश्न- 3 प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए :- (1x5)

(क) कम शब्दों में खबरों को बार-बार दिखाना ----------(उचित शब्द लिखिए)

(ख) सनसनी फैलानेवाली, आरोप-प्रत्यारोप, भंडाफोड की पत्रकारिता है :-

(i) पेज-थ्री पत्रकरिता
(ii) विशेषीकृत पत्रकारिता
(iii) पीत पत्रकारिता
(iv) कोई नहीं

(ग) संवाददाताओं के बीच उनकी रुचि एवं ज्ञान के आधार पर कार्य के विभाजन को पत्रकरिता की भाषा में कहा जाता है।

(i) बीट
(ii) डेस्क
(iii) डेड लाइन
(iv) उक्त में से कोई नही

(घ) इंटरनेट पत्रकारिता को अन्य किन नामों से जाना जाता है?

(i) ऑनलाइन पत्रकारिता
(ii) साइबर पत्रकारिता
(iii) वेब पत्रकारिता
(iv) उपर्युक्त सभी

(ड) कथन - (क) भारत में पहला छापाखाना 1556 गोवा में खुला, (ख) छापाखाना का आविष्कार जर्मनी के गुटेन बर्ग ने किया :-

(i) कथन 'क' सही
(ii) कथन 'ख' सही
(iii) दोनों सही
(iv) दोनों गलत

प्रश्न-4 निम्न पद्यांश को पढकर सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए । (1x5)

आंगन में ठुनक रहा है, जिदयाया है,
बालक तो हई चांद पे ललचाया है।
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ,
देख, आईने में चांद उतर आया है ।

(क) प्रस्तुत काव्यांश के कवि का नाम है :-

(i) बच्चन जी
(ii) दुष्यंत कुमार
(iii) फिराक गोरखपुरी
(iv) कुंवर नारायण

(ख) प्रस्तुत काव्यांश की भाषागत विशेषता है :-

(i) उर्दू मिश्रित खडीबोली
(ii) ब्रज भाषा
(iii) राजस्थानी
(iv) कोई नहीं

(ग) प्रस्तुत काव्यांश में प्रयुक्त छंद है?

(i) मुक्त छंद
(ii) दोहा छंद
(iii) रुबाई छंद
(iv) कवित्त छंद

(घ) बालक के जिद का कारण निम्न में से क्या है?
(i) उसे दर्पण चाहिए
(ii) उसे चांद चाहिए
(iii) उसे ठुनकना है
(iv) उसे कुछ नही चाहिए।

(ड) माँ ने बालक की जिद को कैसे पूरा किया?
(i) उसे खाना खिलाकर
(ii) उसे बाहर ले जाकर
(iii) आईने में चांद दिखाकर
(iv) उक्त में से कोई नही

प्रश्न -5 निम्न गद्यांश को पढकर सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :- (1x5)

उन सिख बीवी को देखकर सफ़िया हैरान रह गई थी, किस कदर वह उसकी माँ से मिलती थी। वही भारी भरकम जिस्म, छोटी-छोटी चमकदार आँखें, जिनमें नेकी, मुहब्बत और रहमदिली की रोशनी जगमगाया करती थी। चेहरा जैसे कोई खुली हुई किताब। वैसा ही सफेद बारीक मलमल का दुपट्टा जैसा उसकी अम्मा मुहर्रम में ओढ़ा करती थी। जब सफ़िया ने कई बार उनकी तरफ मुहब्बत से देखा तो उन्होंने भी उसके बारे में घर की बहू से पूछा। उन्हें बताया गया कि ये मुसलमान हैं। कल ही सुबह लाहौर जा रही हैं अपने भाइयों से मिलने, जिन्हें इन्होंने कई साल से नहीं देखा। लाहौर का नाम सुनकर वे उठकर सफ़िया के पास आ बैठीं और उसे बताने लगीं कि उनका लाहौर कितना प्यारा शहर है। वहाँ के लोग कैसे खूबसूरत होते हैं, उम्दा खाने और नफीस कपड़ों के शौकीन, सैर-सपाटे के रसिया, जिंदादिली की तसवीर।

(क) सिख बीवी को देखकर सफ़िया हैरान रह गई, क्यों?
(i) वे सिख थीं
(ii) वे लाहौर की थीं
(iii) उनकी शक्ल साफिया की माँ से मिलती जुलती थी
(iv) वे बहुत सुंदर थीं

(ख) घर की बहू ने सफ़िया के बारे में क्या नहीं बताया?
(i) वे अपने भाइयों से मिलने लाहौर जा रहीं थीं
(ii) वे लाहौर की थीं
(iii) वे मुसलमान थीं
(iv) वे अपने भाइयों से मिलने दिल्ली जा रहीं थीं

(ग) सिख बीवी ने लेखिका को साफिया के बारे में क्या नहीं बताया?
(i) लाहौर कितना प्यारा शहर है
(ii) वहाँ के लोग कैसे खूबसूरत होते हैं
(iii) उम्दा खाने और नफीस कपड़ों के शौकीन
(iv) अपने काम में बहुत व्यस्त रहने वाले

(घ) सिख बीवी और सफ़िया में क्या समानता नहीं थी?
(i) वे सिख थीं
(ii) वे लाहौर की थीं

(iii) दोनों ही अपनी जन्मभूमि से अगाध प्रेम करती थीं
(iv) उनके मस्तिष्क में लाहौर की यादें तरोताजी थीं

(ङ) नमक कहानी की लेखिका है?

(i) महादेवी वर्मा
(ii) रजिया सज्जाद जहीर
(iii) मृदुला गर्ग
(iv) उक्त में से कोई नही

प्रश्न-6. प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए । (1 x 10)

(क) यशोधर जी की पत्नी मॉडर्न क्यों बनती है ?

(i) फ़िल्म देखकर
(ii) अखबार पढकर
(iii) दिल्ली में रहने के कारण
(iv) बच्चों की तरफदारी की मातृसुलभ मज़बूरी के कारण

(ख) जो हुआ होगा वाक्य का क्या अर्थ किशनदा की मृत्यु के सन्दर्भ में क्या निकलताहै?

(i) बीमारी से
(ii) गाँव जाने से
(iii) अधिक दवा खाने से
(iv) पता नहीं, क्या हुआ

(ग) लेखक की कक्षा का सबसे शरारती बच्चा कौन था?

(i) स्वयं लेखक
(ii) चव्हाण नाम का लडका
(iii) बसंत
(iv) उसका छोटा भाई

(घ) जूझ पाठ के लेखक आनंद को किस अध्यापक ने सर्वाधिक प्रभावित किया?

(i) न.व्.सौन्दलागेकर
(ii) मंत्री
(iii) देसाई
(iv) पाटिल

(ङ) मुअन-जो दड़ो किस काल का शहर है ?

(i) लौह काल
(ii) मध्यकाल
(iii) ताम्र काल
(iv) आदि काल

(च) मुअन–जो दड़ो की खुदाई में मिली पजीकृत वस्तुएं कितनी है ?

(i) 10 हजार से ज्यादा
(ii) 4 हजार से ज्यादा
(iii) 20 हजार से ज्यादा
(iv) 50 हजार से ज्यादा

(छ) ऍन फ्रैंक और उसके परिवार को कितने वर्ष का कारावास मिला था?

(i) चार वर्ष
(ii) दो वर्ष

(iii) एक वर्ष
(iv) तीन वर्ष

(ज) ऍन फ्रैंक की डायरी का अंग्रेजी अनुवाद किस शीर्षक से हुआ है ?
(i) द मून
(ii) द डायरी
(iii) द डायरी ऑफ़ यंग गर्ल
(iv) द डायरी ऑफ़ हिटलर

(झ) ऐन फ्रैंक ने अपनी डायरी किसे सम्बोधित करते हुए लिखी है ?
(i) अपने मित्र को
(ii) अपने पिता को
(iii) अपनी गुडिया को
(iv) कोई नहीं

(ञ) अज्ञातवास में एन फ्रैंक का हम उम्र कौन था ?
(i) मार्गोट
(ii) डसेल
(iii) पीटर
(iv) सभी

खंड (ब) : वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न – 7. विषयो में से एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए। (5)
(1) मन के हारे हार है मन के जीते
(2) डीजीटल दुनिया में बढते हमारे कदम
(3) वन रहेंगे तो हम रहेंगे

प्रश्न – 8. कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान कोरोना की रोकथाम में कोरोना वारियर्स की अहम भूमिका एवम योगदान के बारे में बताते हुए दैनिक समाचार के सम्पादक के नाम पत्र लिखिए। (5)

अथवा

आपके गांव से शहर की ओर जानेवाली सडक का रख -रखाव संतोषजनक नहीं है, इस ओर मुख्य अभियंता लोक-निर्माण विभाग का ध्यान दिलाते हुए पत्र लिखकर तुरंत कार्यवाही का अनुरोध कीजिए।

प्रश्न -9 (क) कहानी लिखते समय किन- किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। (3)

अथवा

कविता की रचना के लिए आवश्यक तत्त्वों के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) नाटक लेखन में समय के बंधन का क्या महत्त्व है ? समझाइए (2)

अथवा

कहानी और नाटक में क्या-क्या समानता है, स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न –10. (अ) खाद्य पदार्थों में मिलावट विषय पर फीचर लिखिए। (3)

अथवा

आत्मनिर्भर भारत –स्वतंत्र भारत विषय पर आलेख लिखिए।

(ब) समाचार लेखन में छह ककारों का प्रयोग करते हुए एक समाचार बनाएँ। (2)

अथवा

रेडियो की अपेक्षा टी.वी समाचारों की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए।

प्रश्न-11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दो में दीजिए। (3+3 = 6 (

(क) कविता के किन उपमानों के आधार पर आप इस कविता को गांव की सुबह का गतिशील चित्र कह सकते हैं ?

(ख) तुलसीदास के कवित्त के आधार पर तत्कालीन समाज की आर्थिक विषमता पर प्रकाश डालिए ।

(ग) सब घर एक करने के माने बच्चा ही जाने, 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न- 12 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिए । (2+2 = 4)

(क) शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीररस का आविर्भाव क्यों कहा गया है ? लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) चिडिया के परों में चंचलता किस कारण आती है? दिन जल्दी-जल्दी ढलता है, के आधार पर बताइए।

(ग) फिराक गोरखपुरी की रुबाइयों में किस प्रकार वात्सल्य-रस का चित्रण किया गया है? लिखिए।

प्रश्न-13 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर 50-60 शब्दो में दीजिए । (3+3=6)

(1) 'भक्तिन' अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी, 'भक्तिन' को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा ?

(2) लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं यही ढोल है?

(3) जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रुप न मानने के पीछे आंबेडकरजी का क्या तर्क है?

प्रश्न- 14 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर 30-40 शब्दो में दीजिए । (2+2 = 4)

(क) बाजारूपन से क्या तात्पर्य है ? किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं ?

(ख) जीजी ने इंदरसेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया, क्यों ?

(ग) नमक ले जाने को लेकर सफिया के मन में उठे द्वंद्व के आधार पर उसकी चारित्रिक विशेषता लिखिए?

केंद्रीय विद्यालय संगठन, जीट ग्वालियर

प्रथम प्री-बोर्ड परीक्षा : 2020-21

निर्धारित समय - **3** घंटे कक्षा -**12** विषय – हिंदी **(**केंद्रिक**)** अधिकतम अंक -**80**

खंड - अ वस्तुपरक प्रश्न

प्रश्न-1.निम्नलिखित गद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1x10)

(क) (ii)
(ख) (iii)
(ग) (i)
(घ) (i)
(ड) (i)
(च) (iv)
(छ) (ii)
(ज) (iii)
(झ) (ii)
(ञ) (iii)

अथवा

(क) (iv)
(ख) (ii)
(ग) (iii)
(घ) (i)
(ड) (iv)
(च) (i)
(छ) (iii)
(ज) (iv)
(झ) (iv)
(ञ) (iv)

प्रश्न-2. निम्नलिखित काव्यान्श को ध्यान-पूर्वक पढ़ कर नीचे दिये गए विकल्पों में सही विकल्प चुन कर उत्तर लिखिए - (1x5)

(क) (i)
(ख) (ii)
(ग) (iv)
(घ) (iv)
(ड) (iii)

अथवा

(क) (ii)
(ख) (iii)
(ग) (iv)
(घ) (i)
(ड) (ii)

प्रश्न- 3 निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए - (1x5)

(1) फ्लैश
(2) (iii)
(3) (i)
(4) (iv)
(5) (iii)

प्रश्न-4 निम्न पद्यांश को पढकर सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए - (1x5)

(1) (iii)
(2) (i)
(3) (iii)
(4) (ii)
(5) (iii)

प्रश्न - 5 निम्न गद्यांश को पढकर सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए - (1x5)

(1) (iii)
(2) (iv)
(3) (iv)
(4) (i)
(5) (ii)

प्रश्न-6 निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए - (1x10)

(1) (iv)
(2) (iv)
(3) (ii)
(4) (i)
(5) (iii)
(6) (iv)
(7) (ii)
(8) (iii)
(9) (iii)
(10) (iii)

खंड (ब) वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न-7. निम्नलिखित विषयों में से किसी "एक" विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए।

विषय-वस्तु 3
भाषा 1
कल्पनाशीलता 1

प्रश्न-8. पत्र–लेखन और अंत की औपचारिकताएं 1
विषय-वस्तु 3
भाषा 1

प्रश्न-9. (अ) कहानी का आरंभ, घटनाओं एवं प्रसंगों का विस्तार, भाषा की सरलता 3

अथवा

शब्द, छंद , बिंब, भाषा, परिवेश, भाव आदि।

(ब) नाटक दृश्य-विधा होने के कारण मंच पर समय का निर्धारण जरुरी है। 2

अथवा

विषय-वस्तु (कथानक), पात्र-संवाद, भाषा-शैली, उद्देश्य

प्रश्न-10. (अ) फीचर लेखन
विषय- वस्तु 2
भाषा व प्रस्तुति 1

अथवा

आलेख –लेखन
विषय- वस्तु 2

(ब) 'क्या', 'कहाँ', 'कब', 'कैसे', 'क्यों', 'कौन' को आधार बनाकर समाचार लिखने पर अंक प्रदान करें।

अथवा

रेडियो समाचार केवल सुने जाते है, टी.वी में समाचार देखकर तथा प्रत्येक ताजा-खबर सुने जा सकते हैं।

प्रश्न-11 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए । (3+3=6)

(1) 'शंख पर पडी नीली आभा', 'काली सील पर केसर की रेखा', स्लेट पर लाल खडिया' उपमानों के आधार पर अंक दिए जाएँ ।
(2) आर्थिक दशा के चित्रण के आधार पर अंक दिए जाएँ ।
(3) कविता और बच्चा दोनों ही समाज में भेदभाव मिटाने का कार्य करते हैं।

प्रश्न- 12 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिए । (2+2=4)

(1) लक्ष्मण के मूर्च्छित होने पर सभी शोकग्रस्त थे, दुखी थे, किंतु जैसे ही हनुमान संजीवनी बूटी लेकर आते हैं, तो सभी हर्षित हो जाते हैं।
(2) पक्षी को जब यह ध्यान आता है कि उसके बच्चे उसका इंतजार कर रहे हैं, तब वह तीव्रता से घौसले की और उडने लगता हैं।
(3) रुबाइयों के आधार पर किए गए वात्सल्य वर्णन के अंक प्रदान किए जाएँ ।

प्रश्न-13. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए। (3+3=6)

(1) 'भक्तिन' का अपना वास्तविक नाम 'लछमिन' था, जो गुण के विपरीत था । लक्ष्मी को धन की देवी माना जाता है, किंतु वह गरीब परिवार में पैदा हुई थी, उसे यह नाम उसके पिता ने दिया, 'भक्तिन' नाम लेखिका ने दिया था।
(2) उसका कोई शरीर धारी गुरु नहीं था, उसने ढोल की थाप से ही कुश्ती सीखी थी।
(3) कार्य कुशलता का अभाव, टालू-प्रवृत्ति का कार्य होना, व्यक्ति के जन्म से पूर्व उसका व्यवसाय निर्धारित होना।

प्रश्न-14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिए। (2+2=4)

(1) बाजारुपन से तात्पर्य है- छल कपट / कपट को बढावा देना, इसके बढ़ने से परस्पर सदभावना में कमी आ जाती है। भगत जी जैसे लोग बाज़ार को सार्थकता प्रदान करते हैं |
(2) ऋषि- मुनियों, किसान का उदाहरण दिया तथा त्याग की बात समझाई।
(3) ईमानदार, वादे की पक्की, सच्ची सैयद |

-*-*-समाप्त-*-*-

SET-2

केन्द्रीय विद्यालय संगठन , जीट ग्वालियर

प्रथम प्री बोर्ड परीक्षा **2020 -21**

विषय – हिंदी (आधार)

निर्धारित समय – **3** घंटे अधिकतम अंक **-80**

सामान्य निर्देश :-

* इस प्रश्न - पत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब' | खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक पूछे गए हैं |
* खंड 'अ' में कुल 6 प्रश्न पूछे गए है, जिनके कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं | दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर दीजिए |
* खंड 'ब' में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं | दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर दीजिए |

खंड -अ वस्तुपरक प्रश्न

प्रश्न 1 निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1X10=10

समस्त ग्रंथों, अनुभवीजनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है | हमें कर्म के लिए जीवन मिला है | कठिनाइयाँ एवं दुख और कष्ट हमारे शत्रु हैं | जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है | अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने ठीक ही कहा है कि "कायर अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते हैं किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं |
विश्व के प्राय: समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त, अमेरिका के निर्माता जॉर्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपति महात्मा गांधी और भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन - चरित्र हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता, अपराजेय व्यक्तित्व है | इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परन्तु वे घबराए नहीं, संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए | संघर्ष के मार्ग पर अकेला चलना अकेले चलना पड़ता है | कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है | परिश्रम,दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं |

समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय है यदि समस्याएं न हों, तो आदमी प्राय: अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा | यह समस्याएँ वस्तुतः जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं | समस्या को समझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है | धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है |पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देते हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखें व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान का उपाय सोचें | जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्व पूर्ण कार्य करेगा, उतना ही उसके समक्ष समस्याएं आएँगी और उसके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा

दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय है -प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है | प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है | एक प्राचार्य ने विद्यालय छोड़ने वाले अपने छात्रों को यह संदेश दिया था – "तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने का अभ्यास करना होगा |" हम कोई भी कार्य करें सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें | सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी | समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना लौकिक एवं पारलौकिक सभी दृष्टि से अहितकर है | मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है आप जागिए,उठिए, दृढ़ संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रुपी विजय रथ पर चढ़ जाएँ और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए |

1 मनुष्य के जीवन में सबसे जरूरी क्या है ?

(अ) कठिनाइयाँ एवं दु:ख
(ब) सफलता
(स) कर्मशीलता
(द) यश
2 महापुरूषों का जीवन क्या संदेश देता है ?
(अ) संघर्षशीलता
(ब) अपराजेयता
(स) संकटों का सामना करने का
(द) उपर्युक्त सभी
3 जीवन का पर्याय किसे कहा गया है ?
(अ) प्रगति को
(ब) समस्याओं को
(स) सीखने को
(द) सक्रियता
4 मनुष्य का विकास कब रूक जाता है ?
(अ) लक्ष्य प्राप्ति के बाद
(ब) सफलता न मिलने पर
(स) समस्याओं से पलायन करने पर
(द) सर्वोच्य शिखर पर पहुँचने पर

5 'विजय रथ' को किसका रूप माना है
(अ) दृढ़ संकल्प
(ब) उत्साह एवं साहस
(स) सकारात्मक मानसिकता
(द) उपर्युक्त सभी
6 गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा ?
(अ) समस्याएँ
(ब) संघर्ष ही जीवन है
(स) मानव धर्म
(द) महापुरूषों का जीवन
7 समस्याएँ अपने साथ क्या लाती है ?
(अ) दृढ़ इच्छा शक्ति
(ब) साहस
(स) संघर्ष
(द) सफलता
8 संघर्ष के मार्ग पर किसकी सहायता मिलती है ?
(अ) बाहरी शक्ति से
(ब) मित्रों से
(स) स्वयं से
(द) महान लोगों से
9 समस्त ग्रन्थों एवं महापुरूषों के अनुभवों का निष्कर्ष क्या है ?
(अ) संघर्ष से डरना एवं उससे विमुख न होना
(ब) जीवन एक कर्मक्षेत्र है
(स) हमें कर्म के लिए जीवन मिला है
(द) उपर्युक्त सभी

10 'यशस्वी' का समानार्थी होगा ?
(अ) प्रसिद्ध
(ब) परिश्रमी
(स) श्रेष्ठ
(द) उपर्युक्त सभी

अथवा

दुनिया शायद अभी तक के सबसे बड़े संकट से जूझ रही है। मौजूदा दौर की महामारी ने हर किसी के जीवन में हलचल मचा दी है। इस पर महामारी ने जीवन की सहजता को पूरी तरह बाधित कर दिया है। भारत में इतनी अधिक आबादी है कि इसमें किसी नियम कायदे को पूरी तरह से अमल में लाना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है।इसमें महामारी के संक्रमण को रोकने के मकसद से पूर्णबंदी लागू की गई और ऐसे कमोबेश कामयाबी के साथ अमल में भी लाया गया। लेकिन यह सच है कि जिस महामारी से हम जूझ रहे है, उससे लड़ने में मुख्य रूप से हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की ही बड़ी भूमिका है। लेकिन असली चिंता बच्चों और बुजुर्गो की हो आती है

इस मामले में ज्यादातर नागरिकों ने जागरूकता और सहजबोध की बजह से जरुरी सावधानी बरती है। लेकिन इसके समानान्तर दूसरी कई समस्याएँ खड़ी हुई है। मसलन आर्थिक गतिविधियाँ जिस बुरी तरह प्रभावित हुई है, उसने बहुत सारे लोगों के सामने संकट और ऊहापोह की स्तिथि पैदा कर दी है। एक तरफ नौकरी और उसकी तनख्वाह पर निर्भर लोगों की लाचारी यह है कि उसके सामने यह आश्वासन था कि नौकरी से नहीं निकला जाएगा, वेतन नहीं रोका जाएगा, वही उनके साथ हुआ उल्टा। नौकरी गई, कई जगहों पर तनख्वाह नहीं मिली या कटौती की गई और किराए के घर तक छोड़ने की नौबत आ गई। इस महामारी का दूसरा असर शिक्षा जगत पर पड़ा है, उसका तार्किक समाधान कैसे होगा। यह लोगों के लिए समझना मुश्किल हो रहा है। खासतौर पर स्कूली शिक्षा पूरी तरह से बाधित होती दिख रही है। यों इसमे किए गए वैकल्पिक इंतजामों की वजह से स्कूल भले बंद हों, लेकिन शिक्षा को जारी रखने की कोशिश की गई है। स्कूल बंद होने पर बहुत सारे शिक्षकों को वेतन की चिन्ता प्राथमिक नहीं थी, बच्चों के भविष्य की चिन्ता उन्हें सता रही है। हालाँकि एक ख़ासी तादाद उन बच्चों की है, जो लेपटॉप या स्मार्ट फोन के साथ जीते है, लेकिन दूसरी और बहुत सारे शिक्षक ऐसे भी है, जिन्हें कंप्यूटर चलाना नहीं आता। उन सबके सामने चुनौती है ऑनलाइन कक्षाएँ लेने की। सबने हार नहीं मानी और तकनीक को खुले दिल से सीखा। इस तरह फ़िलहाल जो सीमा है, उसमें पढाई-लिखाई को जारी रखने की पूरी कोशिश की जा रही है।

(i) उपरोक्त गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है ?
   1) बेरोजगारी
   2) शिक्षा की समस्या
   3) आर्थिक संकट
   4) महामारी का प्रभाव

(ii) पूर्णबन्दी लागू क्यों की गई ?
   1) संक्रमण को रोकने के लिए
   2) लोगों की आवाजाही रोकने के लिए
   3) नियम लागू करने के लिए
   4) लोगों द्वारा नियम नहीं मानने के कारण

(iii) हमें बच्चों और बुजुर्गों की चिन्ता क्यों है ?
   1) कमजोर और अक्षम होने के कारण
   2) प्रतिरोध क्षमता के अभाव के कारण
   3) अधिक बीमार रहने के कारण
   4) बीमारी का अधिक प्रभाव पड़ने के कारण

(iv) स्कूली शिक्षा को जारी रखने की कोशिश क्यों की जा रही है?
   1) प्राइवेट स्कूल के दबाव के कारण
   2) शिक्षा जारी रखने के कारण
   3) बच्चों की चिन्ता के कारण

4) शिक्षकों के वेतन के लिए

(v) ऑनलाइन शिक्षा एक चुनौती कैसे है ?
1) शिक्षक की अकुशलता के कारण
2) तकनीकी रूप से योग्य नहीं होना
3) साधन नहीं होने के कारण
4) अभिभावकों की रूचि नहीं होने के कारण

(vi) शिक्षकों ने तकनीक को खुले दिल से क्यों सीखा?
1) ऑनलाइन पढ़ने की मज़बूरी के कारण
2) अपनी सैलरी के कारण
3) बच्चों की चिन्ता के कारण
4) अभिभावकों के भय से

(vii) महामारी के समय में भी शिक्षकों ने शिक्षक होने का बोध कराया है- कैसे?
1) बच्चों की शिक्षा की चिन्ता द्वारा
2) अपनी नौकरी की चिन्ता द्वारा
3) अपनी सैलरी की चिन्ता द्वारा
4) तकनीक सीखने की हिम्मत द्वारा

(viii) जीवन की सहजता के बाधित होने से आप क्या समझते है ?
1) जीवन में कठिनाई उत्पन्न हो जाना
2) जीवन में संकट उत्पन्न हो जाना
3) जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना
4) जीवन में आराम नहीं होना

(ix) भारत में नियम-कानून लागू करना चुनौती क्यों है?
1) लोग अधिक होने से
2) अनपढ़ होने से
3) नियम नहीं मानने से
4) नियम कानून की समझ नहीं होने से

(x) लोगों के जीवन में ऊहापोह की स्थिति कैसे आ गई?
1) महामारी आ जाने से
2) आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो जाने से
3) नौकरी चले जाने से
4) तनख्वाह नहीं मिलने से

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 1X5=5

मैं हूं उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़
कभी नहीं जो तज सकते हैं
अपना न्यायोचित अधिकार
कभी नहीं जो सह सकते हैं
शीश नवाकर अत्याचार,
एक अकेले हो या उनके
साथ खड़ी हो भारी भीड़,
मैं हूं उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़|
नहीं झुका करते जो दुनिया से
करने को समझौता,
ऊंचे से ऊंचे सपनों को देते रहते हैं जो न्यौता
दूर देखती जिनकी पैनी

आंख भविष्यत का तम चीर
मैं हूं उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़ |
जो अपने कंधों से पर्वत से
बढ़ टक्कर लेते हैं,
पथ की बाधाओं को जिनके
पांव चुनौती देते हैं,
जिनको बांध नहीं सकती हैं
लोहे की बेड़ी जंजीर
मैं हूं उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़ |
निर्भय होकर घोषित करते
जो अपने उद्‌गार विचार
जिनकी जिह्‌वा पर होता है
उनके अंतर का अंगार
नहीं जिन्हें चुप कर सकती है
आततायियों की शमशीर
मैं हूं उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़ |

1' मैं हूँ उनके साथ खड़ी' यहाँ 'मैं' शब्द प्रयुक्त हुआ है -

(अ) किस्मत के लिए (ब) भाग्य के लिए

(स) सफलता के लिए (द) जीत के लिए

2 'नहीं जिन्हें चुप कर सकती है आततायियों की शमशीर' उक्त पंक्ति से क्या आशय है ?

(अ) आतंकवादियों की धमकियों से चुप नहीं रह सकते

(ब) अत्याचारियों की तलवारों के भय से वे डरते नहीं हैं

(स) आततायी जिनसे डरकर चुप हो जाते हैं

(द) उपर्युक्त सभी

3 ' आँख भविष्यत का तम चीर' से क्या तात्पर्य है ?

(अ) वीर पुरूष की आंखें अंधकार को चीर देती है

(ब) दूरदर्शी व्यक्ति आगत के अंधकार में भी अपना लक्ष्य स्पष्ट देख लेते हैं

(स) पैनी आँखें भविष्य के अंधकार में भी देख सकती हैं

(द) भविष्यत का तम चीर पैनी आँखें होती हैं |

4 'अत्याचार' शब्द में उपसर्ग होगा ?

(अ) अत् (ब) अत्या

(स) अति (द) अ

5 काव्यांश का उचित शीर्षक होगा -

अ) आत्मनिर्भरता (ब) भाग्यवाद (स) मैं हूँ उनके साथ खड़ी (द) तकदीर

अथवा

तुमको नया गौरव दे रही है !
यह तुम्हारे कर्म का ही प्रस्फुटन है।
नागरिक जय प्रजा - जन, जय !
राष्ट्र के सच्चे विधायक, जय !
हम आलोक मंजूषा समर्पित कर रहे हैं,
और मंजूषा तुम्हारी है ।
और यह आलोक,

तुम्हारे ही अडिग विश्वास का आलोक है ।
किंतु रूपाकार यह केवल प्रतिज्ञा है,
उत्तरोत्तर लोक का कल्याण ही है साध्य,
अनुशासन उसी के हेतु है ।
यह प्रतिज्ञा ही हमारा दाय है लंबे युगों की,
साधना का, जिसे हमने धर्म जाना ।
स्वयं अपनी अस्थियां देकर हमीं ने असत पर,
सत की विजय का मर्म जाना ।
संपुटित कर हाथ , जिसने गोलियां निज वक्ष पर,
झेली , शमन कर ज्वार हिंसा का-
उसी के नत- शीश धीरज को हमारे स्तिमित चिर - संस्कार,
ने सच्चा कृति का कर्म जाना ।
साधना रुकती नहीं,
आलोक जैसे नहीं बंधता ।
यह सुघर मंजूष भी
झर गिरा सुंदर फूल है पथ- कूल का ।
मांग पथ की इसी से चूकती नहीं ।
फिर भी बीन लो यह फूल ,
स्मरण कर लो इसी पथ पर गिरे सेनानी जयी को,
बढ़ चलो फिर शोध में अपने उसी
धुंधले युगों के स्वप्न की,
जिसे हम आलोक - मंजूषा समर्पित कर रहे हैं।
आज हम अपने युगों के स्वप्न को ,
यह नई आलोक- मंजूषा समर्पित कर रहे हैं ।

1. कवि ने किस प्रकार की गति से आगे बढ्ने का व्रत धारण किया है ?
(अ) बिना थके हुए
(ब) ध्रुव के समक्ष अटल होकर
(स) बिना पथ में रूके
(द) उपर्युक्त सभी

2 कवि ने देश के नागरिकों को कौन सी आलोक मंजूषा समर्पित की है ?
(अ) गणतंत्रता की
(ब) सुंदर फूलों की
(स) सपनों की
(द) कर्म की

3. असत पर सत की विजय प्राप्ति किस प्रकार की गई ?
(अ) भक्ति द्वारा
(ब) अनुशासन से
(स) अस्थियों को समर्पित करके
(द) कठिन प्रतिजज्ञा द्वारा

4. पथ से क्या बीनने की प्रेरणा दी गई है?
(अ) सुंदर फूल
(ब) उच्च आदर्श एवं जीवन मूल्य
(स) मंजूषा
(द) पद चिन्ह

5 'मंजूषा' शब्द का अर्थ होगा :-
(अ) देशभक्ति
(ब) पिटारा
(स) प्रकाश
(द) अच्छे कर्म

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए - 1X5=5

(1) जनसंचार माध्यमों में प्रकाशित या प्रसारित होने वाली सामग्री को नियंत्रण और निर्धारित कौन करता है ?
(अ) द्वारपाल
(ब) सम्पादक
(स) संवाददाता
(द) एंकर
2. भारत में पत्रकारिता की शुरुआत कब हुई ?
(अ) 1786
(ब) 1780
(स) 1756
(द)1556
3. किसी खास उद्देश्य या मुद्दे के पक्ष में जनमत बनाने के लिए अभियान चलाने वाली पत्रकारिता क्या कहलाती है ?
(अ) खोजी पत्रकारिता
(ब) विशेषीकृत पत्रकारिता
(स) एडवोकेसी पत्रकारिता
(द) वॉचडॉग पत्रकारिता
4. समाचार लेखन में कितने ककार होते है ?
(अ) चार
(ब) पांच
(स) छह
(द) तीन
5. फ्रीलांसर पत्रकार होते हैं -
(अ) नियमित वेतनभोगी पत्रकार
(ब) किसी समाचार संगठन के लिए निश्चित मानदेय पर काम करने वाले पत्रकार
(स) स्वतंत्र पत्रकार जो भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबारों के लिए लिखते हैं
(द) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 1X5=5

सोचिए
बताइए
आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है
कैसा
यानि कैसा लगता है
(हम खुद इशारे से बताएँगे कि क्या ऐसा ?)
सोचिए
बताइए थोड़ी कोशिश करिए
(यह अवसर खो देंगे ?)
आप जानते है कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते
हम पूछ - पूछकर उसको रूला देंगे

इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का
करते हैं ?
(यह प्रश्न पूछा नहीं जाएगा)
1. दूरदर्शन पर अपाहिज को किसलिए रूला दिया जाता है ?
(अ) अपाहिज के प्रति लोगों को सहानुभूति दिखाने के लिए
(ब) कार्यक्रम की रोचकता के लिए
(स) अपाहिज को परदे के माध्यम से प्रसिद्धि दिलाने हेतु

(द) उपर्युक्त सभी

2. अपाहिज को कौनसा प्रश्न नहीं पूछा जाएगा ?
(अ) कि आप अपाहिज क्यों हैं ?
(ब) कि क्या आप अपाहिज हैं ?
(स) कि क्या दर्शक भी उनके रोने का इंतजार करते हैं ?
(द) कि आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है ?

3. 'यह अवसर खो देंगे ?' में निहित भाव है -
(अ) अपाहिज के लिए प्रसिद्ध होने का अवसर है |
(ब) उसे अपनी पीड़ा जाहिर करने का अवसर मिला है |
(स) दूरदर्शन पर आकर लोगों से संवाद करने का अवसर मिला है |
(द) दूरदर्शन पर अवसर खोने का भय दिखाकर उसकी आत्मा को दर्शकों के सामने खोलने का प्रयास किया जाता है |
4. काव्यांश में दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालकों पर कौन सा व्यंग्य नहीं किया है ?
(अ) संचालकों का संवेदनारहित व्यवहार
(ब) कार्यक्रमों को व्यावसायिक बनाना
(स) संचालकों का स्वयं को शक्तिशाली मानना |
(द) अपाहिज के प्रति सहानुभूति दिखाना |
5. काव्यांश के कवि कौन है?
(अ) कुँवर नारायण
(ब) रघुवीर सहाय
(स) गजानन माधव मुक्तिबोध
(द) शमशेर बहादुर सिंह

प्रश्न 5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 1X5=5

लुट्टन के माता-पिता उसे नौ वर्ष की उम्र में ही अनाथ बनाकर चल बसे थे | सौभाग्यवश शादी हो चुकी थी, वरना वह भी माँ- बाप का अनुसरण करता | विधवा सास ने पाल - पोस कर बड़ा किया | बचपन में वह गाय चराता , धारोष्ण दूध पीता और कसरत किया करता था | गाँव के लोग उसकी सास को तरह-तरह की तकलीफ दिया करते थे ; लुट्टन के सिर पर कसरत की धुन लोगों से बदला लेने के लिए ही सवार हुई थी | नियमित कसरत ने किशोरावस्था में ही उसके सीने और बाहों को सुडौल और मांसल बना दिया था | जवानी में कदम रखते ही वह गाँव में सबसे अच्छा पहलवान समझा जाने लगा | लोग उससे डरने लगे और वह दोनों हाथों को दोनों ओर पैंतालीस डिग्री की दूरी पर फैलाकर पहलवानों की भांति चलने लगा | वह कुश्ती भी लड़ता था |

1. लुट्टन ने पहलवानी क्यों शुरू की ?
(अ) शारीरिक रूप से स्वस्थ होने के लिए
(ब) चाँद सिंह पहलवान को हराने के लिए
(स) उसकी सास को तकलीफ देने वालों से बदला लेने के लिए

(द) गाँव में अपना दबदबा बनाने के लिए
2. 'वरना वह भी माँ - बाप का अनुसरण करता ' से तात्पर्य है -
(अ) माँ - बाप की तरह प्रसिद्ध होता
(ब) माँ -बाप की तरह मृत्यु को प्राप्त होता
(स) माँ - बाप की तरह सुखमय जीवन व्यतीत करता
(द) उपर्युक्त सभी
3. किस अवस्था में पहलवान का सीना और बाँहें सुडोल व माँसल हो गई थी ?
(अ) बाल्यावस्था
(ब) प्रौढ़ावस्था
(स) युवावस्था
(द) किशोरावस्था
4. लोग लुट्टन से क्यों डरने लगे?
(अ) वह सबसे अच्छा पहलवान था |
(ब) वह बेवजह झगड़ा करता था |
(स) वह पैंतालीस डिग्री की दूरी पर हाथ फैलाकर चलता था |
(द) वह लोगों को डराता था |

5. गद्यांश के लेखक कौन है ?
(अ) धर्मवीर भारती
(ब) फणीश्वर नाथ रेणु
(स) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(द) जैनेन्द्र कुमार

प्रश्न 6 निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए -(पूरक पाठ्यपुस्तक) 1X10=10
1. 'सिल्वर वैडिंग' रचना की मूल संवेदना की दृष्टि से कौन सा कथन सही है ?
(अ) भौतकवादी दृष्टिकोण
(ब) पाश्चात्य संस्कृति का अन्धानुकरण
(स) आधुनिकता की अंधी प्रतिस्पर्धा
(द) पीढ़ी अंतरालजन्य सांमजस्यहीनता
2. अतीत में दबे पाँव रचना के आधार पर मुअनजोदड़ों की सभ्यता के अद्वितीय सौन्दर्यबोध का श्रेय किसे दिया जाना चाहिए ?
(अ) धनाढ्य वर्ग
(ब) तात्कालीन समाज को
(स) राजसत्ता को
(द) धर्माचार्यों को
3. ..... मेरे लिए पोशाकों की तुलना में ज्यादा मायने रखती है |
(अ) पुस्तकों का
(ब) डायरी का
(स) जूतों का
(द) स्मृतियों का
4. 'जूझ' कहानी के अनुसार -"पढाई - लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था" क्योंकि : -
(अ) लेखक खेती - बाड़ी नहीं करना चाहता था |
(ब) दत्ता जी राव जानते थे कि खेती - बाड़ी में लाभ नहीं है |
(स) लेखक का पढ़-लिखकर सफल होना बहुत आवश्यक था |

(द) लेखक का पिता नहीं चाहता कि वह आगे की पढ़ाई करे |
5. 'लेकिन उन अधूरे पायदानों पर खड़े होकर अनुभव किया जा सकता है कि आप दुनिया की छत पर हैं , वहां से आप ..... झांक रहे है |
(अ) अतीत में
(ब) इतिहास के पार
(स) अपने भीतर
(द) दुनिया में
6. यशोधर बाबू अपने बच्चों की तरक्की होने पर ज्यादा खुश क्यों नहीं थे ?
(अ) उनके बच्चे आधुनिक रहन-सहन में रहने लगे थे |
(ब) पैसा होने पर वे सभी जीवन मूल्य भूल चुके थे |
(स) वे सदा अपने गरीब रिश्तेदारों की उपेक्षा करते थे |
(द) उपर्युक्त सभी
7. 'डायरी के पन्ने' रचना के अनुसार मानव जाति की निरंतरता को बनाए रखने का श्रेय किसे है ?
(अ) ईश्वर को
(ब) प्रकृति को
(स) स्त्री जाति को
(द)पुरुष जाति को
8 जूझ पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया ?
(अ) अकेलापन डरावना है
(ब) अकेलापन उपयोगी है
(स) अकेलापन अनावश्यक है
(द) अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है
9 'कवि भी अपने जैसा हाड़ - माँस का ; क्रोध - लोभ का मनुष्य ही होता है | मैं भी कविता लिख सकता हूँ' -लेखक को ऐसा कब लगा ?
(अ) जब न.वा.सौन्दलगेकर मास्टर से पहली बार कविता सुनी |
(ब) जब स्वयं कविता रचने लगा |
(स) जब न. वा. सौन्दलगेकर मास्टर ने कवियों के चरित्र एवं उनके संस्मरण बताए |
(द) उपर्युक्त सभी
10. मुअनजोदड़ो को जल संस्कृति का नाम क्यों दिया जाता है ?
(अ) अत्यधिक बाढ़ आने के कारण
(ब) सिन्धु नदी के किनारे बसे होने के कारण
(स) जल- प्रबंधन अच्छे व सुव्यवस्थित ढंग से होने के कारण
(द) अधिक संख्या में कुँए होने के कारण

खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न 7. निम्न लिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :- 5
I. बचपन की मधुर स्मृतियाँ
II. सुखद घटना जिसने मुझे नई सीख दी
III. नर हो ..... न निराश करो मन को
प्रश्न 8 खाद्य पदार्थों में मिलावट की बढती प्रवृति पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए **| 5**

अथवा

आप किसी स्थान विशेष की यात्रा करना चाहते हैं | उस स्थान की जानकारी प्राप्त करने की लिए पर्यटन विभाग के अधिकारी को पत्र लिखिए **|**
प्रश्न 9 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में दीजिए :- 5

1. कविता लेखन हेतु आवश्यक प्रमुख घटकों पर प्रकाश डालिए | 3

अथवा

कहानी में द्वंद्व के महत्त्व पर प्रकाश डालिए |

2. नाटक के संवाद एवं भाषा शैली उसके प्राणतत्व हैं - स्पष्ट कीजिए 2

अथवा

कहानी लेखन हेतु पात्र एवं चरित्र - चित्रण अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है |" स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न 10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में दीजिए :- 5

1. विशेष लेखन की भाषा और शैली का समाचार -पत्रों में विशेष महत्त्व है | भाषा और शैली किसप्रकार की होनी चाहिए ? 3

अथवा

उल्टा पिरामिड शैली को स्पष्ट कीजिए |

2. संपादकीय लेखन क्या है? 2

अथवा

समाचार कैसे लिखा जाता है ?

प्रश्न 11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए :- 3+3=6

(I) कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्द-चित्र है ?

(II)'बहलाती सहलाती आत्मीयता बर्दाश्त नहीं होती है' और कविता के शीर्षक 'सहर्ष स्वीकार है' में आप कैसा अंतर्विरोध पाते हैं ?

(III) कवितावली के दिए गए छंदों के आधार पर स्पष्ट करें कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ थी ?

प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में दीजिए :- 2+2=4

(I) 'दिन जल्दी -जल्दी ढलता है' कविता का मूलभाव स्पष्ट कीजिए |

(II) 'कविता के बहाने' कविता में 'बिना मुरझाए महकने के माने' से क्या तात्पर्य है ?

(III) फिराख की रूबाइयों में उभरे जीवन के बिम्बों का सौन्दर्य 'रुबाइयाँ' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न 13 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए :- 3+3 =6

(I) "लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा" या "मेरा वतन ढाका है" जैसे उद्गार किस सामाजिक यथार्थ की ओर संकेत कर रहे हैं ? नमक कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए |

(II) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ में डॉ अम्बेडकर अपनी कल्पना का समाज कैसे देखते हैं ?

(III) बाजार में भगत जी के व्यक्तित्व का कौन- सा पहलू उभरकर आता है ? क्या आपकी नजर में उनका आचरण समाज में शान्ति स्थापित करने में मददगार हो सकता है?

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में दीजिए :- 2+2=4

(I) भक्तिन द्वारा शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका ने दिया है ?

(II) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया ?

(III) पहलवान की ढोलक की आवाज का पूरे गाँव में क्या असर होता था ?

SET-2

केन्द्रीय विद्यालय संगठन , जीट ग्वालियर

प्रथम प्री बोर्ड परीक्षा

विषय – हिंदी (आधार)

अंक योजना

निर्धारित समय – 3 घंटे अधिकतम अंक – 80

सामान्य निर्देश –

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |
- खंड – अ में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए |
- खंड-ब में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर – बिंदु अंतिम नहीं हैं | ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं|
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएं |
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक – योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए |

खंड – अ वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 1 (1) अ – कठिनाइयाँ एवं दु:ख 1

(2) द – उपर्युक्त सभी 1

(3) ब – समस्याओं को 1

(4) स – समस्याओं से पलायन करने पर 1

(5) द – उपर्युक्त सभी 1

(6) ब – संघर्ष ही जीवन है 1

(7) स – संघर्ष 1

(8) स – स्वयं से 1

(9) द – उपर्युक्त सभी 1

(10) अ – प्रसिद्ध 1

अथवा

(1) ई- महामारी का प्रभाव 1

(2) अ – संक्रमण को रोकने के लिए 1

(3) आ – प्रतिरोध क्षमता के अभाव के कारण 1

(4) इ – बच्चों की चिंता के कारण 1

(5) अ -शिक्षक की अकुशलता 1

(6) इ – बच्चों की चिंता के कारण 1

(7) अ – बच्चों की शिक्षा की चिंता के द्वारा 1

(8) इ – जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना 1

(9) अ – लोग अधिक होने से 1

(10) आ – आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाने से 1

प्रश्न 2 (1) स – सफलता के लिए 1

(2) ब – अत्याचारियों की तलवारों के भय से वे डरते नहीं है 1

(3) ब – दूरदर्शी व्यक्ति आगत के अन्धकार में भी अपना लक्ष्य स्पष्ट देख सकता है 1

(4) स – अति 1

(5) स – मैं हूँ उनके साथ खड़ी 1

अथवा

(1) द – उपर्युक्त सभी 1

(2) अ- गणतंत्रता की 1

(3) स -अस्थियों को समर्पित करके 1

(4) ब- उच्च आदर्श एवं जीवन मूल्य 1

(5) ब- पिटारा 1

प्रश्न 3 (1) अ – द्वारपाल 1

(2) ब – 1780 1

(3) स – एडवोकेसी पत्रकारिता 1

(4) स - छह 1

(5) स –स्वतंत्र पत्रकार जो भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबारों के लिए लिखते हैं 1

प्रश्न 4 (1) ब - कार्यक्रम की रोचकता के लिए 1

(2) स – कि क्या आप दर्शक भी उनके रोने का इंतजार करते हैं ? 1

(3) द – दूरदर्शन पर अवसर खोने का भय दिखाकर उसकी आत्मा को दर्शकों के सामने खोलने का प्रयास किया जाता है 1

(4) द - अपाहिज के प्रति सहानुभूति दिखाना 1

(5) ब- रघुवीर सहाय 1

प्रश्न 5 (1) स- उसकी सास को तकलीफ देने वालों से बदला लेने के लिए 1

(2) ब – माँ – बाप की तरह मृत्यु को प्राप्त होता 1

(3) द – किशोरावस्था 1

(4) अ - वह सबसे अच्छा पहलवान था 1

(5) ब- फणीश्वर नाथ रेणु 1

प्रश्न 6 (1) द – पीढ़ी अन्तरालजन्य सामंजस्यहीनता 1

(2) ब – तात्कालीन समाज को 1

(3) द- स्मृतियों का 1

(4) ब – दत्ता जी राव जानते थे कि खेती – बाड़ी में लाभ नहीं है 1

(5) ब – इतिहास के पार 1

(6) द – उपर्युक्त सभी 1

(7) स – स्त्री जाति का 1

(8) ब – अकेलापन उपयोगी है 1

(9) स – जब न.वा.सौन्दलगेकर मास्टर ने कवियों के चरित्र एवं उनके संस्मरण बताए | 1

(10) स – जल प्रबंधन अच्छे व सुव्यवस्थित ढंग से होने के कारण 1

प्रश्न 7. किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :- 5x1=5

भूमिका – 1 अंक

विषयवस्तु – 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रश्न 8. दो में से किसी एक विषय पर पत्र (लगभग 80 -100 शब्द सीमा) 5x1=5

आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक

विषयवस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रश्न 9. प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए :- 3+2=5

(1) 1 भाषा – कविता लिखने के लिए भाषा का सम्यक ज्ञान होना आवश्यक है | 3

2 शब्द विन्यास – भाषा शब्दों से बनती है | कविता लिखने के लिए शब्दों के विन्यास का ध्यान रखना चाहिए |

3. काव्य शैलियों का ज्ञान – वाक्य गठन की विशिष्ट प्रणाली को शैली कहा जाता है | कविता लिखते समय विभिन्न काव्य शैलियों का ज्ञान होना चाहिए

अथवा

कहानी में द्वंद्व के तत्व का होना आवश्यक है द्वंद्व कथानक को आगे बढाता है तथा कहानी में रोचकता बनाए रखता है द्वंद्व दो विरोधी तत्वों का टकराव या किसी की खोज में आने वाली बाधाओं , अंतर्द्वंद्व के कारण पैदा होता है | कहानी की यह शर्त है कि वह नाटकीय ढंग से अपने उद्देश्य को पूर्ण करते हुए समाप्त हो जाए, यह द्वद्व के कारण पूर्ण होता है | कहानीकार अपने कथानक में द्वंद्व के बिन्दुओं को स्पष्ट रखेगा, कहानी भी उतनी ही सफलता से आगे बढ़ेगी|

(2) नाटक का सबसे महत्वपूर्ण तत्व एवं सशक्त माध्यम उसके संवाद हैं | संवाद ही वह तत्व है जो 2 एक सशक्त नाटक को अन्य कमजोर नाटकों से अलग करता है | संवाद जितने सहज, स्वाभाविक एवं जीवंत होंगे, उतना ही वह पाठक

के मर्म को छुएंगे | साथ ही भाषा भी नाटक का प्राण तत्व है | एक अच्छा नाटककार अत्यंत संक्षिप्त तथा सांकेतिक भाषा का प्रयोग करता है | नाटक वर्णित न होकर क्रियात्मक अधिक होना चाहिए| भाषा नाटक को क्रियात्मक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है | भाषा की सजीवता के कारण नाटक जीवंत हो उठता है |

अथवा

कहानी का संचालन उसके पात्रों के द्वारा ही होता है | पात्रों के गुण – दोष को उनका चरित्र – चित्रण कहा जाता है | प्रत्येक पात्र का अपना स्वरूप जितना स्पष्ट होगा, उतनी ही आसानी से पात्रों का चरित्र – चित्रण करने और उसके संवाद लिखने में होगी | पात्रों का चरित्र – चित्रण कहानीकार द्वारा पात्रों के गुणों का बखान तथा दूसरे पात्रों के संवाद के माध्यम से किया जा सकता है |

प्रश्न 10 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए :- 3+2=5

(1) इस शैली के द्वारा समाचार पत्रों की उपयोगिता बढ़ जाती है | उनके पाठकों की संख्या बढती है | 3 विशेष लेखन की भाषा और शैली निम्न प्रकार की होनी चाहिए –

(I) भाषा – शैली सरल, साधारण और सहज होनी चाहिए

(II) जटिल शब्दावली का प्रयोग नहीं करना चाहिए

(IV) इसमें प्रासंगिक लेखन से जुड़ी भाषा शैली को अपना चाहिए

अथवा

समाचार लेखन की इस शैली के अंतर्गत लिखे गए समाचारों को सुविधा की दृष्टि से तीन भागों में विभाजित किया जाता है –

(I) इंट्रो या मुखड़ा – समाचार अथवा खबरें एक विशेष शैली में लिखी जाती है, जिसके अंतर्गत सबसे महत्वपूर्ण तथ्यों, सूचनाओं को सबसे पहले लिखा जाता है |

(II) बॉडी या कलेवर – समाचार के दूसरे भाग में कम महत्वपूर्ण जानकारी या सूचना दी जाती है |

(III) समापन – समाचार का समापन करते हुए यह ध्यान रखा है कि न केवल उस समाचार के प्रमुख तथ्य आ गए हैं, बल्कि समाचार के मुखड़े और समापन के बीच एक तारतम्यता भी होनी चाहिए |

(2) * सम्पादकीय लेखन समाचार- पत्र की अपनी आवाज होती है | 2

* सम्पादकीय के द्वारा किसी घटना, समस्या या मुद्दे के प्रति अपने विचार प्रकट करते हैं|

* बिना किसी के नाम के भी छापा जाता है |

* सम्पादकीय समाचार – पत्र के सम्पादक और उनके सहयोगियों के द्वारा लिखा जाता है |

अथवा

- समाचार संवाददाता अथवा रिपोर्टर द्वारा लिखा जाता है |
- उल्टा पिरामिड शैली में लिखा जाता है |
- छह ककारों का ध्यान रखा जाता है |

प्रश्न 11. प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए :- 3+3=6

(1) बहुत सुबह पूर्व दिशा में सूर्य दिखाने देने से पहले वह नीले शंख के समान प्रतीत होता है | उसका रंग ऐसा लग रहा था जैसे किसी गाँव की महिला ने चूल्हा जलाने से पहले राख से चौका पोत दिया था | कुछ देर बाद हल्की – सी लाली दिखाई दी , जिसे देखकर ऐसा लगा जैसे काली सिल पर जरा – सा लाल केसर डाला हो और उसे धो दिया हो या किसी ने स्लेट पर लाल खड़िया चाक मल दी हो | आकाश के नीलपन में सूर्य ऐसे प्रकट हुआ जैसे नीले जल में किसी का गौर सुन्दर शरीर झिलमिलाता हुआ प्रकट हो रहा हो |

(2) शिक्षक उचित उत्तर के आधार पर अंक प्रदान करें |

(3) * पहले छंद में उन्होंने दिखलाया है कि संसार के अच्छे – बुरे समस्त लीला प्रपंचों का आधार पेट की आग का दारुण व गहन यथार्थ है | श्रम के अलग-अलग रूप है पर सबका लक्ष्य एक मात्र पेट की भूख है |

* दूसरे छंद में प्रकृति और शासन की विषमता से उपजी बेकारी व गरीबी की पीड़ा का यथार्थपरक चित्रण करते हुए उसे दशानन (रावण) से उपमित करते है | गरीबी रूपी रावण ने सबको दुखी कर रखा है|

प्रश्न **12**. प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए :- 2+2=4

(1) 'दिन जल्दी – जल्दी ढलता है' गीत में कवि ने प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता के सन्दर्भ में प्राणी के धड़कते हृदय की भावनाओं को सुनने का प्रयास किया है | समय चिर परिवर्तनशील है | किसी प्रिय के आलंबन या विषय से भावी साक्षात्कार का आश्वासन ही हमारे प्रयास के चरणों की गति में और अधिक गतिशीलता एवं साहस भर देता है |

(2) कविता के माध्यम से कवि के मधुर भाव व्यक्त होते हैं जो अपने समय और समाज को सुगंध प्रदान करते हैं | उन भावों का प्रभाव क्षणिक नहीं होता, वे चिरस्थायी होते हैं | वे युग-युगांतर तक मानव सभ्यता को प्रभावित करते हैं | कविता में छिपे हुए श्रेष्ठ भाव और मूल्य तो बिना मुरझाए सदा महकते रहते हैं | अतीत से वे वर्तमान को प्राप्त हुए और वर्तमान से आने वाली पीढ़ियों को प्राप्त होंगे |

(3) फ़िराक की रूबाइयों में चाँद का टुकड़ा, गोदभरी व बच्चे को हवा में लोका देती माँ , स्नान – जल , कंघी, वस्त्र, चीनी के बड़े खिलौने , पुते -सजे घर , घरौंदे , दिये, दर्पण, बादल, बिजली , राखी जैसे दृश्य बिम्बों की अधिकता है | जबकि आवश्यकता पड़ने पर खिलखिलाते बच्चे की हंसी जैसे बिम्ब का प्रयोग बड़ी सहजता के साथ किया गया है |

प्रश्न 13. प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए :- 3+3=6

(I) मनुष्य एक सामजिक प्राणी है | उसका जिस मिट्टी, स्थान या देश में जन्म होता है, जहाँ वह खेल-कूदकर बड़ा होता है, उसके साथ वह आजीवन बंधा रहता है | कहा गया है कि 'जननी जन्मभूमि स्वर्गादपि गरीयसी अर्थात जननी और जन्मभूमि तो स्वर्ग से भी बढकर होती है | मनुष्य चाहकर भी नहीं भूल सकता | यह स्वाभाविक सत्य है की मनुष्य अपनी जन्मभूमि के साथ अनेक स्वप्न संजोए रखता है

(II) *जिसमें स्वतंत्रता, समता और भाईचारे का भाव मिले |

- समाज में परिवर्तन का लाभ सभी को प्राप्त हो |
- समाज में सभी हितों में सबकी सहभागिता हो |
- समाज के हित के लिए सभी सजग रहें
- सभी को सामान साधन और अवसर प्राप्त हो |

(III) बाज़ार में भगत जी का स्वाभिमानी, निश्चेष्ट, आत्मसंयमी, मितव्ययी, दृढ निश्चयी आदि विशेषताओं से परिपूर्ण व्यक्तित्व उभरकर सामने आता है | भगत जी को बाज़ार का आकर्षण, सौन्दर्य, चहल-पहल अपनी आकर्षित नहीं कर सकती हैं | धन की कमी न होने के कारण भी वे बाज़ार में फिजूलखर्ची पर विश्वास नहीं करते | केवल उतनी ही वस्तुएं खरीदते हैं जीतनी उनकी आवश्यकता है | वास्तव में उनका आचरण समाज में शान्ति स्थापित करने में मददगार हो

सकता है | जिस प्रकार भगत जी को बाज़ार का आकर्षण मोहित नहीं कर सकता है, उसी प्रकार यदि उपभोक्तावाद और बाजारवाद के समाज में यदि प्रत्येक मनुष्य स्वाभिमान, संयम , मितव्ययी और दृढ निश्चय से अपनी आवश्यकता के अनुसार वस्तुएं ख़रीदे और बाज़ार के आकर्षण में फंसकर अनुपयोगी वस्तुओं को न लें तो उनका मन अशांत नहीं होगा |यदि समाज में सभी लोग ऐसा करेंगे तो निश्चय ही शान्ति स्थापित होगी |

प्रश्न 14. प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में दीजिए :- 2+2=4

(1) स्त्रियों का सिर घुटाना लेखिका को अच्छा नहीं लगता | अत: लेखिका ने भक्तिन को रोका तो उसने अकुंठित भाव से उत्तर दिया कि शास्त्र में लिखा है | कुतुहलवश लेखिका ने पूछा – 'क्या लिखा ?'तुरंत उत्तर मिला –'तीरथ गए मुंडाए सिद्ध' | कौन से शास्त्र का यह रहस्यमय सूत्र है, यह जान लेना लेखिका के लिए संभव नहीं था | अत: लेखिका हारकर मौन रही और भक्तिन का चूडाकर्म हर बृहस्पतिवार को एक दरिद्र नापित के गंगाजल से धुले उस्तरे द्वारा यथाविधि निष्पन होता रहा |"

(II) यह पानी का अर्घ्य चढ़ाया जाता है जो चीज मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देना पड़ता है , इसीलिए ऋषि- मुनियों ने दान को सबसे ऊँचा स्थान दिया है |

(III) ढोलक की आवाज गाँव वालों में धैर्य, साहस और स्फूर्ति प्रदान करती थी; रात्रि की विभीषिका तथा सन्नाटे को ललकार कर चुनौती पैदा करती थी | जब पूरा गाँव महामारी के कारण मलेरिया और हैजे से त्रस्त होकर अधमरा, निर्बल और निस्तेज हो गया था 'तब इस भयंकर वातावरण में ढोलक की आवाज लोगों को संजीवनी प्रदान किया करती थी |

SET-3

केंद्रीय विद्यालय संगठन , जीट ग्वालियर
पूर्व परिषदीय परीक्षा-प्रथम (प्री बोर्ड –प्रथम), 2020-21

निर्धारित समय -**3** घंटे कक्षा – बारहवीं विषय- हिंदी (केन्द्रिक) अधिकतम अंक – **80**

निम्नलिखित सामान्य निर्देशों का पालन कीजिए :

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं – खंड `अ`और `ब`| खंड `अ` में वस्तुपरक तथा खंड `ब` में वर्णनात्मक प्रश्न पूंछे गए हैं | प्रश्न पत्र में कुल **14** प्रश्न हैं |
- खंड `अ` में **1 – 6** तक प्रश्न पूछे गए हैं जिनके उत्तर दिए गए विकल्पों में से छांटकर देना है |
- खंड `ब` में **7 – 14** तक प्रश्न पूछे गए हैं ये सभी प्रश्न वर्णनात्मक हैं |
- सभी प्रश्न करने अनिवार्य है | सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सामने अंकित हैं |
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें |

	खंड `अ` (वस्तुपरक प्रश्न)	
प्रश्न **1 .**	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए : स्त्रियों के पास एक महान शक्ति सोई हुई पड़ी है	दुनिया की आधी से बड़ी ताकत उनके पास है	आधी से बड़ी ताकत इसलिए कि स्त्रियां आधी तो हैं ही दुनिया में , आधी बड़ी इसलिए कि बच्चे – बच्चियाँ उनकी छाया में पलते हैं और वे जैसा चाहें उन बच्चे और बच्चियों को परिवर्तित कर सकती हैं	पुरुषों के हाथ में कितनी ही ताकत हो , लेकिन पुरुष एक दिन स्त्री की गोद में होता है वहीँ से वह अपनी यात्रा शुरु करता है | एक बार स्त्री की पूरी शक्ति जाग्रत हो जाये और वे निर्णय कर लें कि किस प्रेम की दुनिया को निर्मित करेंगी जहाँ युद्ध नहीं होंगे , जहाँ हिंसा नहीं होगी , जहाँ राजनीति नहीं होगी, जहाँ राजनीतिज्ञ नहीं होंगे, जहाँ जीवन में कोई बीमारियाँ नहीं होंगी | जहाँ भी प्रेम है, जहाँ भी करुणा है, जहाँ दया है वहां स्त्री मौजूद है	स्त्री के पास आधी से भी ज्यादा बड़ी ताकत है और वह पांच हजार वर्षों से बिल्कुल सोई पड़ी है	नारी की शक्ति का उपयोग नहीं हो सका है	भविष्य में वह उपयोग हो सकता है	उपयोग होने का एक सूत्र यही है कि स्त्री यह तय कर ले कि उन्हें पुरुषों जैसा नहीं हो जाना है		**10X1 =10**
(i)	इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए - (क) स्त्री – स्वभाव (ख) स्त्री – जागरण (ग) स्त्री की महत्ता (घ) स्त्री – स्वभाव का जागरण	**1**
(ii)	स्त्रियों की शक्ति को सुप्त क्यों कहा गया है ? (क)वे अपने मूल स्वभाव को जान नहीं सकी	(ख) वे अपने मूल स्वभाव को जान कर उस पर चल नहीं सकी (ग.) वे स्वयं को पुरुष जैसा समझती हैं	(घ) वे स्वयं को पुरुष से हीन समझती हैं	**1**
(iii)	स्त्रियों में पुरुषों को बदलने की ताकत है , क्योंकि – (क.) स्त्रियाँ अधिक शक्तिशाली हैं	(ख.) सभी पुरुष स्त्रियों की गोद में पलते –बढ़ते हैं	 (ग) स्त्रियों में सृजन की ताकत है	(घ) पुरुष स्त्रियों के बिना नहीं रह सकता	**1**
(iv)	स्त्री में कौन-से गुण प्रबल हैं ? (क.) संघर्ष और साहस (ख) नैतिकता और समझदारी (ग.) प्रेम और करुणा (घ.) शांति और उन्नति	**1**
(V)	“मैं सोचता हूँ , स्त्रियों के पास एक महान शक्ति सोई हुई पड़ी है	वाक्य का प्रकार बताइए - (क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य (ग) संयुक्त वाक्य (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं	**1**
(vi)	दुनिया की आधी से बड़ी ताकत किनके पास है? (1) पुरुषों के पास (ख) स्त्रियों के पास (ग) बच्चों के पास (घ) वृद्धों के पास	**1**
(vii)	स्त्री कितने हजार वर्षों से सोई हुई है ? (क) चार हजार वर्षों से (ख) पांच हजार वर्षों से (2) छह हजार वर्षों से (घ) सात हजार वर्षों से	**1**

(viii)	गद्यांश के आधार पर बताइए कि स्त्री की मौजूदगी कहाँ-कहाँ है ? (क) जहाँ प्रेम है (ख) जहाँ करुणा है (ग) जहाँ दया है (घ) उपरोक्त सभी	**1**
(ix)	गद्यांश के आधार पर बताइए कि किसकी शक्ति का अभी तक कोई उपयोग नहीं हो सका है? (क) पुरुष की (ख) नारी की (ग) देश की (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं	**1**
(x)	स्त्री – पुरुष में कौन सा समास है ? (क) बहुव्रीहि समास (ख) द्विगु समास (ग) द्वंद्व समास (घ) अव्ययीभाव समास	**1**
	अथवा	
	एकांत ढूंढने के कई सकारात्मक कारण है	एकांत की चाह किसी घायल मन की आह भर नहीं, जो जीवन के काँटों से बिंध कर घायल हो चुका है, एकांत सिर्फ उसके लिए शरण मात्र नहीं	यह उस इंसान की ख्वाइश भर नहीं, जिसे इस संसार में फेंक दिया गया हो और वह फेंक दिए जाने की स्थिति से भयभीत होकर एकांत ढूंढ रहा हो	हम जो एकांत में होते हैं, वही वास्तव में होते हैं	एकांत हमारी चेतना की अंतर्वस्तु को पूरी तरह उघाड़ कर रख देता है | अंग्रेजी का एक शब्द – `आइसोलोफिलिया` इसका अर्थ है अकेलेपन, एकांत से गहरा प्रेम	पर इस शब्द को गौर से समझें तो इसमें अलगाव की एक परछाई भी दिखती है	एकांत प्रेमी हमेशा ही अलगाव कि अभेद दीवारों के पीछे छिपना चाह रहा हो, यह जरूरी नहीं	एकांत की अपनी एक विशेष सुरभि है और जो भीड़ के अशिष्ट प्रपंचों में फंस चुका हो , ऐसा मन कभी इसका सौंदर्य नहीं देख सकता	एकांत और अकेलेपन में थोड़ा फर्क समझना जरुरी है	एकांतजीवी में कोई दोष या मनोमालिन्य नहीं होता । वह किसी व्यक्ति या परिस्थिति से तंग आकर एकांत की शरण में नहीं जाता । न ही आतातायी नियति के विषैले बाणों से घायल होकर वह एकांत की खोज करता है । अंग्रेजी कवि लॉर्ड बायरन ऐसे एकांत की बात करते हैं । वे कहते हैं कि ऐसा नहीं कि वे इंसान से कम प्रेम करते हैं, बस प्रकृति से ज्यादा प्रेम करते हैं । बुद्ध अपने शिष्यों से कहते हैं कि वे जंगल में विचरण करते हुए गैंडे की सींग की तरह अकेले रहें । वे कहते हैं- ' प्रत्येक जीव जन्तु के प्रति हिंसा का त्याग करते हुए किसी की भी हानि की कामना न करते हुए, अकेले चलो - फिरो, वैसे ही जैसे किसी गैंडे का सींग । हक्सले ' एकांत के धर्म' या 'रिलीजन ऑफ सोलीट्यूड' की बात करते हैं । वे कहते हैं जो मन जितना ही अधिक शक्तिशाली और मौलिक होगा , एकांत के धर्म की तरफ उसका उतना ही अधिक झुकाव होगा ।	धर्म के क्षेत्र में एकांत, अंधविश्वासों, मतों और धर्मांधता के शोर से दूर ले जाने वाला होता है । इसके अलावा एकांत धर्म और विज्ञान के क्षेत्र में नई अंतर्दृष्टियों को भी जन्म देता है । ज्यां पॉल सार्त्र इस बारे में बड़ी ही खूबसूरत बात कहते हैं । उनका कहना है- ' ईश्वर एक अनुपस्थिति है । ईश्वर है इंसान का एकांत । क्या एकांत लोग इसलिए पसंद करते हैं कि वे किसी को मित्र बनाने में असमर्थ हैं ? क्या वे सामाजिक होने की अपनी असमर्थता को छिपाने के लिए एकांत को महिमामंडित करते हैं ? वास्तव में एकात एक दुधारी तलवार की तरह है । लोग क्या कहेंगे इसका डर भी हमें अक्सर एकांत में रहने से रोकता है यह बड़ी अजीब बात है , क्योंकि जब आप वास्तव में अपने साथ या अकेले होते हैं , तभी इस दुनिया और कुदरत के साथ अपने गहरे संबंध का अहसास होता है इस संसार को और अधिक गहराई और अधिक समानुभूति के साथ प्रेम करके ही हम अपने दुखदाई अकेलेपन से बाहर हो सकते हैं ।	
(i)	उपरोक्त गद्यांश किस विषय वस्तु पर आधारित है | (क.) अकेलेपन पर (ख) एकांत पर (ग) जीवन पर (घ) अध्यात्म पर	**1**
(ii)	एकांत हमारे जीवन के लिए क्यों आवश्यक है? (क.) परेशानी से भागने के लिए (ख.) आध्यात्मिक चिंतन के लिए (ग.) स्वयं को जानने के लिए (घ) अशांत मन को शांत करने के लिए	**1**
(iii)	बायरन मनुष्य से अधिक प्रकृति से प्रेम क्यों करते थे? (क) प्रकृति की सुंदरता के कारण (ख) मनुष्य से घृणा के कारण (ग) एकांत प्रेम के कारण (घ) अकेलेपन के कारण	**1**
(iv)	दुखद अकेलेपन से कैसे बाहर आया जा सकता है? (क) संसार से प्रेम करके (ख) सच्चे दोस्त बनाकर (ग) संसार की वास्तविकता को समझ कर (घ) संसार से मुक्त होकर	**1**
(v)	एकांत की खुशबू को कैसे महसूस किया जा सकता है? (क) संसार से अलग होकर (ख) भीड़ में नहीं रहकर (ग) एकांत से प्रेम करके (घ) अकेले रहकर	**1**

(vi)	गैंडे के सींग की क्या विशेषता होती है? (क) वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता (ख) वह सींग नहीं वरन सींग का अपररूप होता है । (ग) गैंडे अकेले रहते हैं इसलिए सींग भी अकेला रहता है। (घ) अपनी दुनिया में मस्त रहना	**1**
(vii)	धर्म के क्षेत्र में एकांत का क्या योगदान है? (क) समर्पण की भावना (ख) पूजा और साधना (ग) धर्मांधता से मुक्ति (घ) धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान	**1**
(viii)	नई अंतर्दृष्टि से आप क्या समझते है? (क) नई खोज (ख) नया अनुसंधान (ग) नई संकल्पना (घ) नया सिद्धांत ।	**1**
(ix)	ईश्वर एक अनुपस्थिति है- कैसे? (क) ईश्वर कभी दिखाई नहीं देते (ख)ईश्वर कभी उपस्थित नहीं होता (ग) एकांत में ही ईश्वर महसूस होते हैं (घ) ईश्वर होते ही नहीं हैं	**1**
(x)	एकांत में रहने का अर्थ है? (क) दोस्त नहीं बना सकना (ख) संसार को जानने का अवसर मिलना (ग) अपने प्रिय लोगों को जानने का अवसर मिलना (घ) संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना	**1**
प्रश्न-**2.**	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए: वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो चट्टानों की छाती से दूध निकालो । है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो, पियूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो । चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे ! योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे ! छोडो मत अपनी आन, सीस कट जाए मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए । दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है मरता है जो एक ही बार मरता है । नत हुए बिना जो अशनि घात सहती है स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है ।	**1x5=5**
(i)	कवि किसे छोड़ने की बात कर रहा है ? (क) मोह- माया (ख) वैराग्य (ग) सांसारिक सुख (घ) बाँहों की शक्ति	**1**
(ii)	कवि किसके समान जीने को कहता है ? (क) योगियों के (ख) भोगियों के (ग) विजयी व्यक्तियों के (घ) राजाओं के	**1**
(iii)	'भले व्योम फट जाए' का अर्थ है – (क) कितनी ही मुसीबत आ जाए । (ख) मूसलाधार वर्षा हो जाए । (ग) आसमान दो टुकड़ों में बंट जाए । (घ) आसमान से फूलों की वर्षा हो जाए ।	**1**
(iv)	जो बिना झुके मुसीबतों का सामना करते हैं, वे किसका उपभोग करते हैं ? (क) दुखों का (ख) सुखों का (ग) परतंत्रता का (घ) स्वतंत्रता का	**1**
(v)	इन पंक्तियों में कवि क्या प्रेरणा दे रहा है ? (क) आन-बान की रक्षा करने की (ख) जीवन की रक्षा करने की (ग) धन संपत्ति की रक्षा करने की (घ) उपर्युक्त सभी	**1**
	अथवा	
	विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी मरो परन्तु यों मरो याद जो करे सभी । हुई न यों सु- मृत्यु तो वृथा मरे , वृथा जिए	

	मरा नहीं वही कि जो जिया न आप के लिए यही पशु- प्रवृति है कि आप-आप ही चरे वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे | उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती | उसी उदार कि सदा सजीव कीर्ति कूजती तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती अखंड आत्म भाव जो असीम विश्व में भरे वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे	
(i)	'मर्त्य' का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है ? (क) देवता (ख) मछली (ग) मनुष्य (घ) असुर	**1**
(ii)	'सु-मृत्यु' की प्रमुख विशेषता क्या है ? (क) मरने के बाद लोग याद करते हैं (ख) घर में मृत्यु हो (ग) युद्धभूमि में मृत्यु हो (ग) रोग से मृत्यु हो	**1**
(iii)	पशु - प्रवृत्ति क्या है ? (क) चारा खाना (ख) केवल अपना स्वार्थ साधना (ग) सबकी भलाई के बारे में सोचना (घ) जंगल में रहना	**1**
(iv)	सरस्वती किसकी कथा बखानती है ? (क) जो मानव दूसरों के लिए अपनी जान दे दे (ख) जो विजयी हो (ग) जो साहसी हो (घ) जो अपनी सुरक्षा हेतु जान दे दे	**1**
(v)	'उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती' में कौनसा अलंकार है ? (क) मानवीकरण (ख) उत्प्रेक्षा (ग) यमक (घ) अनुप्रास	**1**
प्रश्न-**3.**	निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :	**1x5=5**
(i)	**(i)** भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ पर खुला था ? (क) सन 1861 कलकत्ता में (ख) सन 1556 गोवा में (ग) सन 1556 मद्रास में (घ) सन 1526 नागपुर में	**1**
(ii)	सरकारी कामकाज पर पैनी नज़र रखते हुए गड़बड़ियों को उजागर करने वाली पत्रकारिता कहलाती है ? (क) खोजी पत्रकारिता (ख) विशेषीकृत पत्रकारिता (ग) वॉचडॉग पत्रकारिता (घ) एड्वोकेसी पत्रकारिता	**1**
(iii)	संवाददाताओं को उनकी रुचियों और ज्ञान के आधार पर कार्य का विभाजन कहलाता है ? (क) बीट (ख) लाइव (ग) पीट (घ) डेस्क	**1**
(iv)	हिंदी का पहला समाचार पत्र `उदन्त मार्तण्ड ` किस प्रकार का पत्र था ? (क) दैनिक पत्र (ख) साप्ताहिक पत्र (ग) पाक्षिक पत्र (घ) मासिक पत्र	**1**
(v)	जब तक खबर के दृश्य नहीं आते एंकर , दर्शकों को रिपोर्टर से मिली जानकारियों के आधार पर सूचना पहुँचाता है	कहलाता है ? (क) एंकर – पैकेज (ख) एंकर – बाइट (ग) ड्राई – एंकर (घ) एंकर - विज़ुअल	**1**
प्रश्न-**4.**	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए:	**1x5=5**
	उहां राम लछिमनही निहारी	बोले वचन मनुज अनुसारी | अर्ध राति गई कपि नहीं आयउ	राम उठाई अनुज उर लायउ | सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ	बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ | मम हित लागि तजेहु पितु माता	सहेहु विपिन हिम आतप बाता | उतरु काह दैहँउ तेहिं जाई	उठि किन मोहि सिखवनु भाई		
(i)	'बोले वचन मनुज अनुसारी' से क्या तात्पर्य है ?	**1**

	(क) श्रीराम देवता की तरह विलाप कर रहे हैं (ख) श्रीराम मनुष्य की तरह विलाप कर रहे हैं	 (ग) श्रीराम बच्चे की तरह विलाप कर रहे हैं	(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं	
(ii)	प्रस्तुत काव्यांश किस भाषा में लिखा गया है ? (क) ब्रज भाषा में (ख) अवधी भाषा में (ग) खड़ी बोली में (घ) मैथिलि भाषा में	**1**
(iii)	प्रस्तुत काव्यांश में श्रीराम ने लक्ष्मण के किन गुणों का वर्णन किया है ? (क) उन्होंने भाई के लिए अपने माता पिता का भी त्याग कर दिया | (ख) वे भाई के साथ वर्षा , हिम , धूप आदि कष्टों को सहन कर रहे थे | (ग) उनका स्वाभाव बहुत मृदुल है | (घ) उपरोक्त सभी	**1**
(iv)	प्रस्तुत काव्यांश के कवि कौन है ? (क) सूरदास (ख) तुलसीदास (ग) अज्ञेय (घ) फ़िराक गोरखपूरी	**1**
(v)	प्रस्तुत काव्यांश में कौनसा रस है ? (क) शृंगार रस (ख) करुण रस (ग) हास्य रस (घ) भयानक रस	**1**
प्रश्न-**5.**	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :	**1x5=5**
	बाजार में एक जादू है	वह जादू आंख की राह काम करता है	वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है , वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है	जेब भरी हो और मन खाली हो , ऐसी हालत में जादू का असर ख़ूब होता है	जेब खाली पर मन भरा न हो , तो भी जादू चल जाएगा	मन ख़ाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा	कहीं हुई उस वक्त जेब भरी , तब तो फिर वह किसकी मानने वाला है	मालूम होता है यह भी लूँ , वह भी लूँ	सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है	पर यह सब जादू का असर है		
(i)	गद्यांश के अनुसार किसमें जादू है ? (क) बाजार में (ख) पुस्तकों में (ग) मैदान में (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं	**1**
(ii)	प्रस्तुत गद्यांश के रचियता कौन है ? (क) धरमवीर भारती (ख) जैनेन्द्र कुमार (ग) महादेवी वर्मा (घ) फणीश्वर नाथ रेणु	**1**
(iii)	गद्यांश के आधार पर लिखिए कि बाजार के जादू का असर कब होता है ? (क) जेब भरी हो और मन खाली हो (ख) जेब खाली पर मन भरा न हो (ग) दोनों सही है (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं	**1**
(iv)	बाजार का जादू किसकी राह काम करता है ? (क) कान की राह (ख) आंख की राह (ग) नाक की राह (घ) उपरोक्त सभी	1
(v)	बाजार का जादू जब चढ़ता है तो मनुष्य के मन की कैसी दशा होती है ? (क) तब वह किसी की नहीं मानता	(ख) वह सब कुछ खरीद लेना चाहता है	 (ग) तब उसे सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला लगता है (घ) उपर्युक्त सभी	1
प्रश्न-**6.**	निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए **|**	**1x10=10**
(i)	सिल्वर वैडिंग कहानी का मुख्य पात्र कौन है ? (क) किशनदा (ख) यशोधर पंत (ग) भूषण (घ) इनमें से कोई नहीं	1
(ii)	यशोधर बाबू के बच्चों की कौनसी बात प्रशंसनीय नहीं है ? (क)महत्वाकांक्षी और प्रगतिशील होना (ख) मानवीय संबंधों की गरिमा और संस्कारों में रूचि न लेना (ग) जीवन में उन्नति करना (घ) सामर्थ्य के अनुसार घर में आधुनिक सुविधाएँ जुटाना	1
(iii)	यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं ऐसा क्यों ? सटीक विकल्प का चुनाव कीजिए - (क) पीढ़ी के अन्तराल के कारण	(ख) पत्नी बच्चों से अधिक प्रेम करती थी	 (ग) किशनदा उन्हें भड़काते थे	(घ) वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे		1
(iv)	कविता के लगाव के बाद जूझ कहानी के मुख्य पात्र आनंद की धारणा में क्या बदलाव आया ? (क) उसे अकेलापन भी अच्छा लगने लगा (ख) आशावादी एवं आत्मविश्वासी बन गया (ग) कविता सृजन में विघ्न स्वीकार्य नहीं (घ) उपरोक्त सभी	1
(v)	दिए गए विकल्पों में से मास्टर सौंदलगेकर की विशेषता नहीं है ? (क) कुशल अध्यापक	(ख) मराठी के ज्ञाता व कवि	 (ग) सुरीले ढंग से स्वयं कवितायें गाते थे	(घ) बच्चों की पिटाई करते थे		1

(vi)	सिन्धु घटी सभ्यता से संबंधित कौन सा विकल्प सही नहीं है ? (क) सिन्धु सभ्यता में साधन सम्पन्नता एवं भव्यता का आडम्बर था | (ख) वह सभ्यता राजपोषित न होकर – समाज- पोषित थी | (ग) वह एक जल संस्कृति सभ्यता थी | (घ) वह ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी		1
(vii)	मोहनजोदड़ो की गृह – निर्माण योजना से संबंधित कौनसा विकल्प सही है ? (क) वहां के सभी घरों के दरवाजे मुख्य सड़क की तरफ खुलते थे | (ख) सभी घरों के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था थी | (ग) घर पक्की ईंटों से नहीं बने थे | (घ) घर में घुसने के लिए मुख्य सड़क से गलियों में नहीं जाना पड़ता		1
(viii)	क्या सिन्धु सभ्यता के बारे में कहा जा सकता है कि वह एक जल – संस्कृति सभ्यता थी ? (क) सिन्धु सभ्यता सिन्धु नदी के किनारे बसी थी	(ख) उस सभ्यता में लगभग सात सौ कुएँ मिले | (ग) घरों के गंदे पानी को बाहर निकालने के लिए नालियाँ बनी थी	(घ) उपरोक्त सभी	1
(ix)	"काश कोई तो होता जो मेरी भावनाओं को गंभीरता से समझ पाता	अफ़सोस ऐसा व्यक्ति मुझे अब तक नहीं मिला ...| डायरी के पन्ने पाठ के आधार पर सही विकल्प का चुनाव कीजिए – (क) ऐन फ्रैंक सबके मजाक की पात्र थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था | (ख) ऐन फ्रैंक भूमिगत थी और कोई उसे समझ नहीं पा रहा था | (ग) ऐन फ्रैंक किसी सवेंदनशील व्यक्ति की खोज में थी | (घ) ऐन फ्रैंक अकेलेपन से त्रस्त थी		1
(x)	'किट्टी' कौन थी डायरी के पन्ने पाठ के आधार पर बताइए	 (क) ऐन की बहन (ख) ऐन की माँ (ग) ऐन की डायरी (घ) गुड़िया		1
	<u>खंड ' ब ' (वर्णनात्मक प्रश्न)</u>	
प्रश्न-**7.**	निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग **150** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : **(क)** मेरे शहर का खेल मैदान (ख) कोरोना एक वैश्विक महामारी (ग) जहाँ न पहुंचे रवि वहाँ पहुंचे कवि (घ) यातायात (ट्रैफिक) जाम में फंस जाना	**5**
प्रश्न **8.**	कोरोना के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए आप के शहर के अस्पताल के प्रबंधन पर असंतोष व्यक्त करते हुए अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को पत्र लिखिए | अथवा किसी राष्ट्रीय दैनिक समाचार – पत्र के संपादक के नाम एक पत्र लिखिए , जिसमें महामारी के काल में बढ़ती महंगाई से जूझते लोगों की कठिनाइयों का वर्णन हो	5
प्रश्न-**9.**	**9.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **40 – 50** शब्दों में लिखिए :- **(क)** आप के द्वारा पढ़ी हुई किसी एक कहानी का कथानक लिखिए | अथवा कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए ? लिखिए | **(ख)** नाटक साहित्य की अन्य विधाओं से अलग कैसे है ? अथवा नाटक के पात्र एवं भाषा शैली उसके प्राण तत्त्व हैं	स्पष्ट कीजिए	3 2
प्रश्न-10	**.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **40 – 50** शब्दों में लिखिए :- **(क)** 'फास्ट फूड के दुष्प्रभाव' पर एक फीचर लेखन लिखिए| अथवा 'युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृति' विषय पर एक आलेख लिखिए | (ख) इंटरनेट पत्रकारिता के दो लाभ लिखिए | अथवा संपादकीय लेखन क्या है ?	3 2

प्रश्न.**11**	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग **50 – 60** शब्दों में लिखिए :- (क) ' कैमरे में बंद अपाहिज ' कविता का केंद्रीय भाव क्या है ? अपने शब्दों में लिखिए | **(ख)** दिन जल्दी – जल्दी ढलता है कविता हमें क्या सन्देश देती है ? अपने शब्दों में लिखिए | **(ग)** बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है – और कविता के शीर्षक सहर्ष स्वीकारा है में आप कैसे अंतर्विरोध पाते है	अपने शब्दों में लिखिए		**3x2 =6**
प्रश्न.**12**	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग **30 – 40** शब्दों में लिखिए :- **(क)** 'उड़ने' और 'खिलने' का कविता से क्या संबंध बनता है ? **(ख)** 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्रण है	कैसे ? **(ग)** बालक द्वारा चाँद मांगने की ज़िद पर माँ क्या करती है ? रुबाइयाँ के आधार पर अपने शब्दों में उत्तर दीजिए		**2x2 =4**
प्रश्न.**13**	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग **50 – 60** शब्दों में लिखिए :- **(क)** 'लक्ष्मी' के 'भक्तिन' बनने की प्रक्रिया मर्मस्पर्शी क्यों है? अपने शब्दों में उत्तर दीजिए **(ख)** इंदर सेना पर पानी फेंकने , न फेंकने के बारे में जीजी और लेखक के विचारों कि तुलना कीजिए | **(ग)** 'नमक' कहानी भारत – पाक के विभाजन के बावजूद मानवीय भावनाओं की समानता की कथा है	टिप्पणी कीजिए		**3x2 =6**
प्रश्न.**14**	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग **30 –40** शब्दों में लिखिए :- **(क)** लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं , यही ढोल है ? **(ख)** डॉ आंबेडकर के आदर्श समाज की दो विशेषताओं को लिखिए	 **(ग)** बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या – क्या असर पड़ता है ?		**2x2 =4**

SET-3

केंद्रीय विद्यालय संगठन , जीट ग्वालियर
पूर्व परिषदीय परीक्षा-प्रथम (प्री बोर्ड –प्रथम), 2020-21

निर्धारित समय -**3** घंटे कक्षा – बारहवीं विषय- हिंदी **(**केन्द्रिक**)** अधिकतम अंक **– 80**

अंक योजना

प्र.सं	सामान्य निर्देश :- ● अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक बनाना है | ● यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ |	अंक
	खंड `अ` (वस्तुपरक प्रश्न)	
1.	अपठित गद्यांश :- (i) (घ) स्त्री – स्वभाव का जागरण (ii) (ख) वे अपने मूल स्वभाव को जान कर उस पर चल नहीं सकी (iii) (ख) सभी पुरुष स्त्रियों की गोद में पलते – बढ़ते हैं | (iv) (ग) प्रेम और करुणा (v) (ख) मिश्र वाक्य (vi) (ख) स्त्रियों के पास (vii) (ख) पांच हजार वर्षों से (viii) (घ) जहाँ करुणा है (ix) (ख) नारी की (x) (ग) द्वंद्व समास अथवा (i) (ख) एकांत पर (ii) (ग) स्वयं को जानने के लिए (iii) (ग) एकांत प्रेम के कारण (iv) (क) संसार से प्रेम करके (v) (ग) एकांत से प्रेम करके (vi) (क) वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता (vii) (घ) धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचानपहचान (viii) (ग) नई संकल्पना (ix) (ग) एकांत में ही ईश्वर महसूस होते हैं (x) (घ) संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना	**1x10 =10**
2.	अपठित काव्यांश :- (i) (ख) वैराग्य (ii) (ग) विजयी व्यक्तियों के (iii) (क) कितनी ही मुसीबत आ जाए | (iv) (क) दुखों का (v) (क) आन-बान की रक्षा करने की अथवा (i) (ग) मनुष्य (ii) (क) मरने के बाद लोग याद करते हैं (iii) (ख) केवल अपना स्वार्थ साधना (iv) (क) जो मानव दूसरों के लिए अपनी जान दे दे (v) (घ) अनुप्रास	**1x5 =5**
3.	अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक से :- (i) (ख) सन 1556 गोवा में (ii) (ग) वॉचडॉग पत्रकारिता	**1x5 =5**

	(iii) (क) बीट (iv) (ख) साप्ताहिक पत्र (v) (ग) ड्राई – एंकर	
4.	पठित काव्यांश :- (i) (ख) श्रीराम मनुष्य की तरह विलाप कर रहे हैं (ii) (ख) अवधी भाषा में (iii) (घ) उपरोक्त सभी (iv) (ख) तुलसीदास (v) (ख) करुण रस	**1x5 =5**
5.	पठित गद्यांश :- (i) (क) बाजार में (ii) (ख) जैनेन्द्र कुमार (iii) (ग) दोनों सही है (iv) (ख) आंख की राह (v) (घ) उपरोक्त सभी	**1x5 =5**
6.	वितान पुस्तक के पठित पाठों से :- (i) (ख) यशोधर पंत (ii) (ख) मानवीय संबंधों की गरिमा और संस्कारों में रूचि न लेना (iii) (घ) वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे (iv) (घ) उपरोक्त सभी (v) (घ) बच्चों की पिटाई करते थे (vi) (क) सिन्धु सभ्यता में साधन सम्पन्नता एवं भव्यता का आडम्बर था (vii) (ख) सभी घरों के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था थी (viii) (घ) उपरोक्त सभी (ix) (ग) ऐन फ्रैंक किसी सवेंदनशील व्यक्ति की खोज में थी (x) (घ) गुड़िया	**1x10= 10**
	<u>खंड ' ब ' (वर्णनात्मक प्रश्न)</u>	
	नोट:- उत्तर योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं **|** ये सुझावात्मक तथा सांकेतिक हैं **|** यदि विद्यार्थी ने इनसे भिन्न **,** किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उपयुक्त अंक दिए जाएँ **|**	
7.	किसी एक विषय पर लेख अपेक्षित विषय – वस्तु 3 भाषा 1 कल्पनाशीलता 1	**5x1=5**
8.	पत्र लेखन आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 विषय वस्तु 3 भाषा 1	**5x1=5**
9.	**(क)** उपयुक्त कथानक लिखने पर अंक दिए जाएँ **|** **3** कहानी से नाटक बनाते हुए मूल कथावस्तु, भाषा – शैली, संवाद, मंच सज्जा, ध्वनि प्रकाश, चरित्र –चित्रण, पात्रों की भाव अथवा -भंगिमा , दृश्यात्मकता आदि का ध्यान रखना चाहिए **|** **(ख)** नाटक दृश्य – काव्य भी कहा जाता है **|** अन्य विधाएँ केवल लिखित रूप में ही पूर्णता को प्राप्त करती हैं जबकि नाटक अपने लिखित रूप से अलग चरण (मंचन) तक अधूरा रहता है **|** अथवा नाटक के संचालन की प्रक्रिया पात्रों द्वारा ही होती है **|** नाटक को प्रभावी बनाने के लिए पात्रानुरूप ही संवाद लिखे जाते हैं **|** नाटक को प्रभावी बनाने के लिए सरल भाषा शैली अत्यंत आवश्यक है **|** 2	**3+2=5**
10.	**(क)** फ़ीचर लेखन विषय वस्तु 2	**3+2=5**

	भाषा व प्रस्तुति 1 अथवा आलेख लेखन विषय वस्तु 2 भाषा व प्रस्तुति 1 **(ख)** (i) इंटरनेट पत्रकारिता द्वारा सूचनाओं को बहुत शीघ्रता से लोगों तक पहुँचाया जा सकता है | अथवा संकेत बिन्दु:- घटना, समस्या या मुद्दे से संबंधित, समाचार-पत्र की आवाज़ स्वयं के नाम से नहीं छापा जाता, इसके लेखक, संपादक एवं उप-संपादक होते हैं | (ii) इंटरनेट पत्रकारिता के द्वारा कुछ ही क्षणों में समाचार को संशोधित किया जा सकता है | 2	
11.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :- (1) * दूरदर्शन पर एक अपाहिज का साक्षात्कार , व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए दिखाया जाता है | ● दूरदर्शन पर एक अपाहिज व्यक्ति को प्रदर्शन की वस्तु मान कर उसके मन की पीड़ा को कुरेदा जाता है , उसे खुलेआम भुनाया जाता है | ● दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले इस प्रकार के अधिकांश कार्यक्रम केवल संवेदनशीलता का दिखावा करते हैं | (2) दिन जल्दी – जल्दी ढ़लने अर्थात समय के तेजी से निकलने की आशंका से व्यक्ति सजग हो जाता है और अपनी मंजिल को प्राप्त करने के लिए प्रयास तेज कर देता है ताकि प्रत्येक कार्य समय रहते शीघ्र पूरा किया जा सके | (3) इन दोनों में गहरा अंतर्विरोध है | एक और तो कवि सब कुछ सहर्ष स्वीकार करता है , तो वहीँ दूसरी ओर उसको बहलाती , सहलाती, आत्मीयता बर्दाश्त भी नहीं होती | शायद अत्यधिक आत्मीयता के कारण कवि अपनी क्षमताओं एवं संभावनाओं का पूर्ण विकास नहीं कर पा रहा | इसलिए वह अपने स्वतंत्र अस्तित्व के लिए छटपटा रहा है और इस छटपटाहट में वह गहन अंधकार को भी स्वीकार करने को तैयार है , इसी सन्दर्भ में कवि ने ' सहर्ष स्वीकारा है'	**2x3=6**
12.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :- (1) कविता के संबंध में उड़ने का अर्थ है – कल्पना की उड़ान , सोच की उड़ान तथा विचारों की उड़ान | खिलने शब्द को कविता के अर्थ में विकास से जोड़ा गया है | अतः जहाँ 'उडने' का संबंध कल्पना एवं विचारों की ऊँची उड़ान से है, वहीं 'खिलने' का संबंध अपने परिवेश को सुगन्धित बनाने से है | (2) उषा कविता में कवि ने ग्रामीण उपमानों का प्रयोग कर गाँव की सुबह के गतिशील शब्द चित्र जैसे – आकाश को राख से लीपा हुआ चौका, काली सिल, केसर, लाल खड़िया, आदि प्रतिमानों के माध्यम से ग्रामीण जन जीवन की गतिशीलता को स्पस्ट किया है | (3) बालक मचलते हुए चाँद रूपी खिलौने की माँग करता है | माँ घर के अन्दर से आईना लाकर उसमें चाँद को दिखाकर कहती है कि देख अब चाँद धरती पर उतर आया है |	**2x2=4**
13.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :- (1) लक्ष्मी का जीवन दुखों से भरा रहा | बचपन में माँ की मृत्यु, जवानी में पति की मृत्यु, बड़े दामाद जिसे घर जमाई रखा था परन्तु असामयिक उसकी भी मृत्यु, तीतर बाज दामाद को न चाहते हुए अपनाने की विवशता, रोजी-रोटी के लिए शहर आना और लेखिका से मुलाकात | वेशभूषा देखकर लेखिका ने भक्तिन नाम रखा | इस प्रकार लक्ष्मी के भक्तिन बनने की प्रक्रिया अत्यंत मर्मस्पर्शी है | (2) जीजी के अनुसार, इंदर सेना पर पानी डालना जल की बर्बादी नहीं थी , बल्कि यह त्याग की भावना थी | जबकि लेखक को यह सब कुछ अंधविश्वास लगता था और जल की बर्बादी भी लगाती थी | (3) भारत – पाक विभाजन के बावजूद 'नमक' कहानी यथार्थ में मानवीय भावनाओं की समानता की कथा है | कहानी से स्पष्ट होता है कि राजनीतिक सीमा एवं सत्ता लोलुपता व मजहबी दुराग्रहों में बंटे होने के बावजूद भारत एवं पाकिस्तान के लोगों के दिलों की धड़कन एक जैसी	**2x3=6**

	है	सिख बीबी लाहौर को अपना वतन मानती है , पाकिस्तान कस्टम अधिकारी दिल्ली को, साफिया के मित्र उनका तहेदिल से स्वागत – सत्कार करते हैं आदि	
14.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :- (1) लुट्टन ने कुश्ती के दांवपेंच ढ़ोलक आवाज से ही सीखे	ढोलक की आवाज उसके शरीर में उमंग व स्फूर्ति भर देती थी	वह अखाड़े में उतरने से पहले ढ़ोल को प्रणाम करता था, क्योंकि उसने गुरु का स्थान ढोल को दे दिया था | (2) i. आदर्श समाज बहुविध हितों की धारणा होनी चाहिए एवं उसमें गतिशीलता का समावेश होना चाहिए | ii . हर वर्ग को पर्याप्त साधन तथा अवसर मिलने चाहिए | (3) बाज़ार का जादू जब चढ़ता है तो व्यक्ति उसकी और आकर्षित होता है	वह सब कुछ ख़रीद लेना चाहता है	बाज़ार का जादू जब उतरता है तब उसे बेवजह पैसा बर्बाद करने का पछतावा होता है		**2x2=4**